- 17th Year
- Issue: 319
- 09.04.2024 (TUESDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From Rourkela

आपका सपना ही मोदी का संकल्प, मोदी बोले-कांग्रेस ने गरीबों की समस्याओं को कभी नहीं समझा

रायपुर ०८/०४ (संवाददाता):लोकसभा चुनाव के प्रचार के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं पिछले 10 वर्षों में मेरी सरकार को समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद देने आया हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने गरीबों की समस्याओं को कभी नहीं समझा। मेरी सरकार के प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान गरीबों का क्या होगा, लेकिन मैंने कहा कि मैं उन्हें मु त टीका और राशन दूंगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान भ्रष्टाचार देश की पहचान बन गया था। उन्होंने कहा कि मेरे करोड़ों देशवासी, मेरी माताएं.बहनें मेरा रक्षा कवच बन गई हैं। मोदी ने कहा कि अनेक दशकों बाद देश ने भाजपा की स्थिर और मजबूत सरकार देखी है।हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है. गरीब का कल्याण। आजादी के बाद दशकों तक गरीब की जरूरतों को कांग्रेस की सरकारों ने नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी गरीब की चिंता नहीं कीए उसकी परेशानियों को नहीं समझा। कांग्रेस परिवार के अमीरों को कभी महंगाई का मतलब समझ ही नहीं आया। उन्होंने कहा कि मैंने ठाना कि जब तक गरीब की हर चिंता दूर नहीं कर दूंगाए मैं चैन से नहीं बैठूंगा। हमारी सरकार ने गरीब के लिए एक.एक करके योजनाएं बनाईंए गरीब को उसका हक दिया। सरकार के इन प्रयासों का ही नतीजा है कि देश में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी ने 11 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र खोले हैं। उन पर 80 प्रतिशत छूट के साथ दवाएं मिलती हैं। इससे गरीबों को 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इसलिए ही आज देश का गरीब कह रहा है कि खर्च कम कराएए बचत बढ़ाए बार बार . फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोविड का महासंकट आयाए लोग कहते थे कि भारत कैसे बचेगाघ् कांग्रेस के अमीरों की सरकार के समय देश में बीमारी का टीका आने में दशकों लग जाते थे।

मोदी ने कहा कि मैं अपने देश के हर गरीब के साथ खड़ा हूं। मैं गरीबों को मु त वैक्सीन भी दूंगाण्ण्ण्मैं गरीबों को मु त राशन भी दूंगा। ऐसे समय में जब दूसरे देशों में कोरोना का एक एक टीका हजारों रुपये में लग रहा थाए मोदी ने आपको मु त टीका लगवाया।

अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि 2014 से पहले लाखों करोड़ रुपये के घोटाले होते थे। कांग्रेस की सरकार में दिल्ली से एक रुपया निकलता था और सिर्फ 15 पैसे गांव में पहुंचते थे। बीच के 80 पैसे कांग्रेस खुद लूट लेती थी। मैंने कांग्रेस की लूट की इस व्यवस्था को बंद कर दिया है। भाजपा सरकार ने अपने 10 साल में 34 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस समझती थी कि उसे देश को लूटने का लाइसेंस मिला हुआ है। 2014 में सरकार में आने के बाद मोदी ने कांग्रेस की लूट का लाइसेंस ही कैंसिल कर दिया है।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मोदी ने जब घोटालेबाजों का रास्ता रोकाए जब बिचौलियों की कमाई बंद कीए तबसे इनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। ये मोदी पर भड़के हुए हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर आज कड़ी कार्रवाई हो रही है। यहां के युवाओं को जिन्होंने धोखा दिया हैए उनकी तेजी से जांच चल रही है। अब नाराज होकर ये लाठी से मोदी का सिर फोड़ने की धमकी दे रहे हैं। मोदी गरीब का बेटा हैए सिर ऊंचा रखकर चलता हैए मैं इनकी धमकियों से डरने वाला नहीं हूं।

उन्होंने कहा कि मोदी के लिए तो मेरा भारतए मेरा परिवार है। मैं अपने देश कोए अपने परिवार को लूटपाट से बचाने में जुटा हूं। मैं कहता हूं . भ्रष्टाचार हटाओए वो कहते हैं . भ्रष्टाचारी बचाओ। ये मोदी को कितनी भी धमकियां दे देंए भ्रष्टाचारियों को जेल जाना ही पड़ेगा। ये मोदी की गारंटी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 500 साल बाद ये सपना पूरा हुआए तो इसकी सबसे अधिक खुशी प्रभु राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ को होना बहुत स्वाभाविक है। लेकिन कांग्रेस और प्छक्प् गठबंधन राम मंदिर बनने से बहुत नाराज हैं। कांग्रेस के शाही परिवार ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का न्योता ठुकरा दिया। कांग्रेस के जिन नेताओं ने इस कदम को गलत बतायाए उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। ये दिखाता है कि कांग्रेस तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद को पार कर सकती है। उन्होंने कहा कि आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। इसे पूरा करने के लिए हर पल देश के नामए हर पल आपके नाम 24'7 वित 2047। जिसको किसी ने नहीं पूछाए उनको मोदी ने पूजा है।

बेंगलुरु में 30.92 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त, पांच लोग गिरफ्तार

बेंगलुरु ०८/०४ (संवाददाता): कर्नाटक में बेंगलुरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ;सीसीबीद्ध ने 30ण्92 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त कर इस सिलसिले में पांच लोगों को गिर तार किया है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने सोमवार को बताया कि नकली नोट का कारोबार चलाने वाला गिरोह विभिन्न ट्रस्ट को निशाना बनाता था और उन्हें विभिन्न कंपनियों के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व ;सीएसआरद्ध कोष के तहत 40 लाख रुपये देने पर एक करोड़ रुपये दिलाने का वादा करता था।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहाए ष्यह ठगी करने का एक नया तरीका है जो पहले नहीं देखा गयाए हालांकि हमें इस बारे में अस्पष्ट जानकारी थी। जालसाजों के इस नेटवर्क ने कई ट्रस्ट से संपर्क किया। वे ट्रस्ट के लोगों को बताते थे कि अगर वे उन्हें नकदी मुहैया कराएंगे तो उन्हें कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व ;सीएसआरद्ध कोष के जरिए और पैसा मिलेगा। दयानंद ने कहाए ष्उन्होंने विभिन्न ट्रस्ट को 100 करोड़ रुपये तक की नकदी भी दिखाई।

एक बार जब ट्रस्ट के सदस्य आश्वस्त हो जाते और उन्हें रकम का भुगतान कर देतेए तो गिरोह के सदस्य फरार हो जाते थे। यह सामने आया है कि इन्होंने इस तरह से कई लोगों के साथ ठगी की है।ष् अधिकारी ने बताया कि सीसीबी की महिला संरक्षण शाखा ने जाल बिछाया और इस गिरोह के सदस्यों को गिर तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरोह के पास से अब तक 30ण्92 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त किए गए हैं।

दयानंद ने कहा हमने इस सिलसिले में पांच लोगों को गिर तार किया है। इनमें से एक को शहर के विल्सन गार्डन में जुए के मामले में पूर्व में गिर तार किया गया था। इसी तरह के मामले में एक अन्य आरोपी को पहले मुंबई में गिर तार किया गया था। ये आरोपी धनशोधन संबंधी गतिविधियों में शामिल थे।

कविता को नहीं मिली अंतरिम जमानत

नयी दिल्ली ०८/०४ (संवाददाता): विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह उन्हें अंतरिम जमानत देने का उचित समय नहीं है। कविता ने अदालत से अंतरिम जमानत दिए जाने का आग्रह करते हुए कहा था कि उनके 16 वर्षीय बेटे की परीक्षाएं हैं और उसे अपनी मां के ष्नैतिक और भावनात्मक समर्थनष् की जरूरत है।

प्रवर्तन निदेशालय ;ईडीद्ध ने इस दलील का विरोध करते हुए दावा किया कि कविता ने मामले में सबूत नष्ट किए और गवाहों को प्रभावित किया। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कविता उस साउथ ग्रुपष् की प्रमुख सदस्य थीं .

जिस पर राष्ट्रीय राजधानी में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ;आपद्ध को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है।

कविता ;46द्ध को बीआरएस समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के बीच 15 मार्च को हैदराबाद स्थित उनके बंजारा हिल्स आवास से गिर तार किया गया था। इसके बाद उन्हें अगले दिन सात दिन की प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया। बाद में हिरासत में पूछताछ के लिए यह अवधि तीन दिन और बढ़ा दी गई। कविता को पिछले मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

33 रुपये में 300 ग्राम खिचड़ी, संजय निरुपम बोले-संजय राउत खिचड़ी घोटाले के किंगपिन

मुंबई ०८/०४ (संवाददाता): कांग्रेस से निष्कासित नेता संजय निरुपम ने सोमवार को दावा किया कि शिवसेना ;यूबीटी सांसद संजय राउत खिचड़ी घोटाले के असली सरगना हैं प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी ने मुंबई उत्तर पश्चिम से शिवसेना ;यूबीटी उ मीदवार को समन जारी किया है। अमोल कीर्तिकर को कोविड.19 महामारी के दौरान खिचड़ी वितरण में कथित अनियमितताओं की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में तलब किया गया है। जब मैंने इस घोटाले पर काम करना शुरू किया तो मुझे पता चला कि श्किंगपिनश् कोई और था। इस पूरे घोटाले में किंगपिन शिवसेना ;यूबीटीद्ध के प्रवक्ता संजय राउत हैं। पूर्व सांसद ने राउत पर हमला जारी रखते हुए कहा कि इस घोटाले में उन्होंने

अपनी बेटीए भाई और पार्टनर के नाम पर पैसे लिए हैंण् सह्याद्री रिफ्रेशमेंट नाम की एक कंपनी है जिसमें राजीव सालुंखे और सुजीत पाटकर शामिल थेए जो पार्टनर थे संजय राउत का। कंपनी को कोविड के दौरान खिचड़ी की आपूर्ति के लिए 6.37 लाख का ठेका मिला। ईडी ने आरोप लगाया है कि कुछ राजनेताओं से जुड़े एजेंटों ने प्रभाव का इस्तेमाल करके यह सुनिश्चित किया कि बीएमसी उनके सहयोगियों को खिचड़ी के ठेके दे। यह आरोप लगाया गया कि खिचड़ी आपूर्तिकर्ताओं ने सहमत मात्रा से कम आपूर्ति करके और बढ़े हुए बिल जमा करके बीएमसी को धोखा दिया। संजय राउत के परिवार और उनके दोस्तों ने दलाली के रूप में 1 करोड़ लिए। निरुपम ने कहा कि उन्होंने उनकी बेटी विधिता संजय राउत के नाम पर चेक के माध्यम से रिश्वत ली हैए जो खुद निर्दोष है और इन चीजों से अनजान है।

बंगाल में चुनाव के बाद भी और तीन महीने तक तैनात रहे केंद्रीय बल-शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता ०८/०४ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मांग की कि राज्य में लोकसभा चुनाव के बाद भी और तीन महीने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात रखा जाना चाहिए। अधिकारी ने निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्ति विशेष पर्यवेक्षक से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि इससे चुनाव उपरांत हिंसा को रोका जा सकेगा जो 2021 के विधानसभा चुनाव और 2023 के पंचायत चुनाव के बाद देखने को मिली थी। उन्होंने कहा कि

वह इस संबंध में राज्यपाल सीण्वीण्आनंद बोसए राज्य के मु य सचिव और केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिखेंगे। अधिकारी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि यह उनकी ष्पराजयवादी मानसिकताष् दिखाती है। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच ष्एक्सष्पर पोस्ट किया शुभेंदु अधिकारी ने मांग की कि आदर्श आचार संहिता हटने के बाद भी केंद्रीय बलों को बंगाल में रहने की अनुमति दी जाए। वह किसी और से बेहतर जानते हैं कि उनकी पार्टी जर्जर स्थिति में है और भाजपा की बंगाल में कोई राजनीतिक पकड़ नहीं है।

घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप, मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

नयी दिल्ली ०८/०४ (संवाददाता): आगामी लोकसभा चुनाव से कुछ दिन पहलेए कांग्रेस ने सोमवार को पार्टी के घोषणापत्र की तुलना मुस्लिम लीग से करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग ;ईसीद्ध का रुख किया। एक्स को संबोधित करते हुएए वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की और प्रधानमंत्री के खिलाफ दो सहित छह शिकायतें पेश कीं और उन पर बहस की। उन्होंने कहा कि शिकायत प्रधानमंत्री के बेतुके दावे के खिलाफदर्ज की गई है कि कांग्रेस न्याय पत्र देश को विभाजित करने और मुस्लिम लीग की स्वतंत्रता.पूर्व विचारधारा को लागू करने का प्रयास कर रही है। जयराम रमेश ने कहा कि यह चुनाव आयोग के लिए सभी दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करके अपनी स्वतंत्रता प्रदर्शित करने

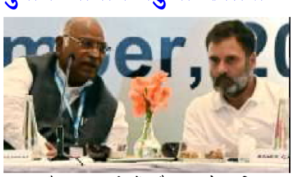

का समय है। हम इस उ मीद में रहते हैं कि माननीय आयोग अपने संवैधानिक जनादेश को बरकरार रखेगा। अपनी ओर सेए हम इस शासन को बेनकाब करने के लिए राजनीतिक और कानूनी सभी रास्ते अपनाना जारी रखेंगे।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर वार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सहारनपुर में मुस्लिम लीग को लेकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती हैए जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गयाए उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं। बिहार के नवादा में नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि आम चुनाव के लिये पार्टी की ओर से जारी घोषणापत्र में ष्तुष्टिकरण की राजनीतिष् की बू आ रही है और ये ऐसा है मानो इसे मुस्लिम लीग लेकर आई है।पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र की आलोचना करने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी.शाह के राजनीतिक और वैचारिक पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के खिलाफ ब्रिटिश और मुस्लिम लीग का समर्थन किया था।

चुनाव जीतने के लिए राहुल गांधी ने ली थी पीएफआई की मदद-स्मृति ईरानी

नयी दिल्ली ०८/०४ (संवाददाता): भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल लोकसभा सीट के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ;पीएफआई का समर्थन लिया। सोमवार को एएनआई से बात करते हुएए ईरानी ने कांग्रेस नेता पर अमेठी के लोगों का अपमान करने का आरोप लगायाए जो पहले कांग्रेस का गढ़ थाए लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में जीत के बाद अब इसका नेतृत्व उनके द्वारा किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें यह जानकारी मिली है कि राहुल गांधी ने वायनाड में

अपना चुनाव लड़ने के लिए आतंकी संगठन पीएफआई का समर्थन लिया था। जब आप पीएफआई के सन्दर्भ में दायर की गई चार्जशीट पढ़ेंगे तो आपको पता चलेगा कि संगठन ने हर जिले में हिंदुओं को मारने की योजना बनाई थी। बीजेपी नेता ने यह भी कहा कि राहुल गांधी को अमेठी के लोगों को बताना चाहिए कि वह हिंदुओं को मारने की योजना बनाने वाले पीएफआई की मदद क्यों ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने अमेठी के विकास के लिए काम किया है और अमेठी की जनता उन्हें आशीर्वाद देगी। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहाए श्बीजेपी कार्यकर्ता जानते हैं कि गांधी परिवार अमेठी से चुनाव लड़ने आएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेठी लोकसभा क्षेत्र में 19 लाख नागरिकों को राशन भेजाए अगर गांधी परिवार नरेंद्र मोदी के खिलाफ हैए तो 19 लाख नागरिक जिनको मु.त राशन मिल रहा हैए गांधी परिवार उन परिवारों को क्या कहेगाघ्ण्ण्ण्ष् ईरानी ने राहुल गांधी पर अमेठी के लोगों की वफादारी का अपमान करने के लिए सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मैं कुछ दिन पहले वायनाड गई थी और मुझे जानकारी मिली कि राहुल गांधी ने वायनाड को अपना परिवार घोषित कर दिया हैण्ण्ण्कल एक कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड को इसलिए चुना क्योंकि राहुल गांधी कहते हैं कि वायनाड के लोग अधिक वफादार हैं। तो फिर अमेठी की वफादारी का क्या होगा? 2024 के आम चुनावों में पूर्ण वर्चस्व स्थापित करने के भाजपा के प्रयास के कारण केरल के राज्य अध्यक्ष के सुरेंद्रन को निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ;एनडीएद्ध के उ मीदवार के रूप में नामित किया गया है। जहां भाजपा ने घोषणा की है कि ईरानी अमेठी से फिर से चुनाव लड़ेंगीए वहीं दूसरी ओरए कांग्रेस ने अभी तक अमेठी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए अपना उ मीदवार तय नहीं किया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी बीजेपी उ मीदवार स्मृति ईरानी से मुकाबला हार गए। इंडिया गठबंधन में भागीदार होने के बावजूदए सीपीआई और कांग्रेस ने केरल की लोकसभा सीटों पर एक.दूसरे के खिलाफ अपने सबसे मजबूत उ मीदवार उतारे।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-1 for 9 APR.pmd 1 4/9/2024 1:20 PM

विविध समाचार

जनता ने मोदी का किया जोरदार स्वागत, संदेशखाली का मुद्दा उठाकर पीएम ने टीएमसी सरकार को लिया आड़े हाथों

जलपाईगुड़ी ०८/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी पहुंचे। एक बड़ी फूल माला के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया गया। संदेशखाली का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने जनता से पूछा संदेशखाली में क्या हुआघ् ये पूरा देश जान चुका है। वहां माताओं.बहनों के साथ कितना बड़ा अत्याचार हुआ हैए ये पूरे देश ने देखा है। हालात ये है कि हर मामले में यहां कोर्ट को दखल देना पड़ता है।श

बिहार के नवादा में जनसभा को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी पहुंचे। एक बड़ी फूल माला के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन दिया। जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहाए श्कुछ दिन पहले ही जलपाईगुड़ी के अनेक क्षेत्रों में तूफान के कारण जान.माल का भारी नुकसान हुआ है। जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए मेरा हर पलए हर क्षण देश के लिए है इसलिए 24ग्7 मैं 2047 के लिए कार्य कर रहा हूं।श

पीएम ने कहा हमारी सरकार की योजनाओं ने गरीब के जीवन को आसान बनाया है। हमने गरीब का स्वाभिमान लौटाया हैए उसका गौरव बढ़ाया है।

मोदी ने 10 साल में जो विकास कार्य किया हैए वो सिर्फ ट्रेलर है। अभी हमें देश को बहुत आगे ले जाना हैए हमें भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाना है।श् उन्होंने आगे कहाए श्देश के हर गरीब का सशक्तिकरण बीजेपी सरकार की प्राथमिकता है। लेकिन गरीब कल्याण की मोदी की योजनाओं पर यहां की ज्डब् सरकार ब्रेक लगा देती है। ज्डब् सरकार ने चाय बगानों कोए टी इंडस्ट्री को अपने हाल पर छोड़ दिया है। इसलिए इस चुनाव में ज्डब् को सबक सिखाना जरूरी है।श

पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहाए श्टीएमसी चाहती है कि उसके भ्रष्टाचारी नेताओं को आतंक का खुला लाइसेंस मिलेए इसलिए जब केंद्र की जांच एजेंसियां आती है तो ज्डब् उनपर हमले करती हैए और लोगों से करवाती है। ज्डब् कानून और संविधान को कुचलने वाली पार्टी है। टीएमसीए वामदल और कांग्रेस ने एक.दूसरे के भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए प्छक्प् गठबंधन बनाया है। मैं कहता हूं भ्रष्टाचार मिटाओए वे कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। ये चाहे जो बोलेंए मैं आपको गारंटी देता हूं कि 4 जून के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ और तेज कार्रवाई होगी।श

संदेशखाली का मुद्दा उठाते हुए पीएम मोदी ने जनता से पूछाए श्संदेशखाली में क्या हुआघ् ये पूरा देश जान चुका है। वहां माताओं.बहनों के साथ कितना बड़ा अत्याचार हुआ हैए ये पूरे देश ने देखा है। हालात ये है कि हर मामले में यहां कोर्ट को दखल देना पड़ता है।श् कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहाए श्आज जब भाजपा की मजबूत सरकार ने आर्टिकल.370 की दीवार को हटा दियाए तो कांग्रेस को दर्द हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि मोदी देश के दूसरे राज्यों में कश्मीर की बात क्यों करता हैण्ण्ण्ण् दूसरे राज्यों का कश्मीर से क्या लेना.देना। कांग्रेस के लिए कश्मीर कुछ नहींए लेकिन 140 करोड़ देशवासियों के लिए कश्मीरए मां भारती के मस्तक समान है। कश्मीर भारत का गौरव है।श

नीतीश कुमार ने छुए पीएम मोदी के पैर! तेजस्वी यादव बोले-सीएम हमारे अभिभावक, हम बहुत शर्मिंदा हुए

पटना ०८/०४ (संवाददाता):राष्ट्रीय जनता दल ;राजद के नेता और बिहार के पूर्व उपमु यमंत्री तेजस्वी यादव ने नवादा में एक मंच साझा करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेने के बाद मु यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष किया। तेजस्वी ने कहा कि जब उन्होंने तस्वीर देखी तो उन्हें शर्म आ गई। तेजस्वी ने कहा कि आज मैंने नीतीश कुमार की एक तस्वीर देखी जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छुए... हमें शर्म आई... ये क्या हो गया, उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार हमारे अभिभावक हैं...नीतीश कुमार जितना अनुभवी कोई दूसरा मु यमंत्री नहीं है और वह प्रधानमंत्री मोदी के पैर छू रहे हैं। चुनावी रैली का एक वीडियोए जिसे व्यापक रूप से साझा किया जा रहा हैए उसमें बिहार के मु यमंत्री को अपना भाषण समाप्त करने के बाद पीएम मोदी के पैर छूते हुए दिखाया गया है। इस बीचए बिहार के मु यमंत्री को यह दावा करने के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया कि एनडीए लोकसभा चुनाव में ष्4ए000 से अधिक सीटें जीतेगा। रैली के एक वीडियो में नीतीश कुमार को खुद को सही करने से पहले ष्चार लाख ;चार लाखद्धष् कहते हुए और पीएम की ओर मुड़ते हुए ष्चार हजार से भी ज्यादा ;4ए000 से अधिकद्धष् कहते हुए दिखाया गया हैए जो चुनाव में 400 प्लस टैली का लक्ष्य रख रहे हैं। राजद ने इस गलती पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त की। राजद प्रवक्ता सारिका पासवान ने एक्स पर लिखाए ष्शुरुआत में ऐसा लगा कि मु यमंत्री ने प्रधानमंत्री से चार लाख से अधिक सांसदों की कामना की। तब उन्होंने शायद सोचा कि यह बहुत अधिक होगा और 4000 पर्याप्त होंगे। नीतीश कुमारए जो जनता दल ;यूनाइटेड.आरजेडी गठबंधन के तहत मु यमंत्री थेए ने जनवरी में राजद से नाता तोड़ लिया था और एनडीए के मु यमंत्री के रूप में फिर से सत्ता में लौटने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया था।

ईंधन खत्म होने की वजह से नहीं उड़ सका राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर, अब शहडोल में ही बितानी पड़ेगी रात

०८/०४ (संवाददाता): कांग्रेस नेता राहुल गांधी मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रात भर रुकेंगे। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। गांधी अपनी पार्टी के लोकसभा अभियान के लिए मध्य प्रदेश में हैं और उन्होंने मंडला और शहडोल में दो रैलियों को संबोधित कियाए जहां 26 अप्रैल को मतदान होगा। हालांकिए कहा जा रहा है कि यूल कम होने की वजह से हेलीकॉप्टर को रोकना पड़ा है। जबलपुर से अतिरिक्त यूल मंगाया गया है। लेकिन मौसम खराब होने की वजह से यूल आने में देरी होगी। ऐसे में राहुल सोमवार की रात शहडोल में ही बिताएंगे। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि हम हर वर्ग को न्याय दिलाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने कुछ चुनिंदा लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए माफ किया है। लेकिन गरीबए किसानए छात्र जब कर्ज मांगते हैंए तब नरेंद्र मोदी कहते हैं. पैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर नरेंद्र मोदी अरबपतियों को पैसा दे सकते हैंए तो कांग्रेस पार्टी पिछड़ोंए आदिवासियोंए गरीबों को पैसा देगी। इसलिए हमारा सबसे क्रान्तिकारी कदम है. महालक्ष्मी योजना। जिसमें कांग्रेस पार्टी देश के हर गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपए देगी।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने नोटबंदी और गलत ळैज् लागू कर छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया। नतीजा . देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। देश में 30 लाख सरकारी पद खाली हैंए लेकिन मोदी सरकार युवाओं से ठेका मजदूरी करवाती है। इसलिए कांग्रेस की गारंटी है . हम युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश् के दौरान युवाओं ने मुझसे पेपर लीक की शिकायत की। इसलिए हम पेपर लीक के खिलाफ एक नया कानून लाएंगे और पेपर लीक करने वालों के खिलाफ स त कार्रवाई होगी।राहुल गांधी ने कहा कि अमीर परिवार के बच्चे रोजगार पाने से पहले किसी बड़ी कंपनी में जाकर अप्रेंटिसशिप करते हैंए ट्रेनिंग करते हैं। इसलिए हमने कांग्रेस के मैनिफेस्टो में लिख दिया है. हम देश के सभी युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देंगे। इस एक साल की ट्रेनिंग के दौरान उन्हें 1 लाख रुपए की सैलरी भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम हर वर्ग को न्याय दिलाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत ही हमारा लक्ष्य है।

छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा करने में विफल क्यों रहे प्रधानमंत्री-कांग्रेस

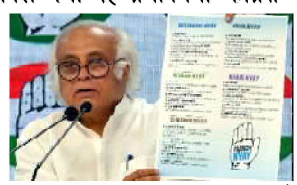

नयी दिल्ली ०८/०४ (संवाददाता): कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बस्तर में जनसभा से पहले सोमवार को कहा कि उन्हें इस बारे में बात करनी चाहिए कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा करने में वह विफल क्यों रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी आज बस्तर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कियाए आज प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ के बस्तर जा रहे हैं। यहां भाजपा के व्यवहार से साफ़ पता चलता है कि कॉरपोरेट पूंजीपतियों के साथ उनकी मित्रता लोगों के प्रति उनके कर्तव्यों से कहीं अधिक गहरी है।

न्होंने कहा हमें उ मीद है कि एक आदिवासी बहुल ज़िले में प्रधानमंत्री इस पर थोड़ी बात तो कर ही सकते हैं कि वह राज्य में आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने में क्यों विफल रहे हैं। रमेश ने दावा कियाए घनेए जैव विविधता से भरपूर हसदेव अरण्य वन को राज्य का फेफड़ा माना जाता है।

लेकिन आज यही हसदेव अरण्य वन भाजपा और उनके पसंदीदा मित्रए अडाणी एंटरप्राइजेज के कारण ख़तरे में है। जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थीए तो जंगल की रक्षा के लिए केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने इस जंगल में 40 कोयला ब्लॉक रद्द कर दिए थे। जब भाजपा सत्ता में आई हैए तब उन्होंने इस फ़ैसले को पलट दिया है।

न्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री और भाजपा इतनी बेरहमी से छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों के जीवन को कैसे ख़तरे में डाल सकते हैंघ् कांग्रेस महासचिव ने कहाए प्रधानमंत्री मोदी ने डॉण् मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा शुरू किए गए नगरनार स्टील प्लांट को पिछले साल अक्टूबर में बहुत धूमधाम से जनता को समर्पित किया। बस्तर के लोगों को आशा थी कि 23ए800 करोड़ रुपये की लागत से बना यह विशाल प्लांट बस्तर के विकास को गति देगा और स्थानीय युवाओं के लिए हज़ारों अवसर पैदा करेगा।

उन्होंने दावा कियाए वास्तव मेंए भाजपा सरकार 2020 से इस संयंत्र का निजीकरण करने की योजना बना रही है।

उसने 50ण्79 प्रतिशत की हिस्सेदारी अपने मित्रों को बेचने का फ़ैसला किया था। पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहलेए गृह मंत्री अमित शाह बस्तर आए थे और वादा किया था कि संयंत्र का निजीकरण नहीं किया जाएगा . लेकिन तथ्य यह है कि भाजपा सरकार ने अभी तक इस दावे को मान्य करने के लिए ठोस आश्वासन नहीं दिया है।

रमेश ने सवाल किया कि क्या भाजपा कोई सबूत दिखा सकती है कि उसने इस इस्पात संयत्र को अपने कॉरपोरेट मित्रों को बेचने का न कभी इरादा किया था और न ही कभी करेगीघ् उन्होंने कहाए 2006 मेंए भारत के आदिवासी समुदायों का दशकों पुराना संघर्ष समाप्त हो गया जब कांग्रेस सरकार ने ऐतिहासिक वन अधिकार अधिनियम पेश किया।

जयललिता की विरासत से खुद जोड़कर सभी को चौंकाने की तैयारी में बीजेपी

नयी दिल्ली ०८/०४ (संवाददाता): तमिलनाडु के नागापट्टिनम निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भी मैं तमिलनाडु आता हूँ तो मैं जया अ मा को याद करता हूँ। उन्होंने तमिलनाडु के विकास में एक बड़ा योगदान किया है। भले ही अ मा एआईएडीएमके की नेता हों फिर भी हमारे दिल में उनके लिए बहुत बड़ा स मान हमेशा थाए है और हमेशा रहेगा 15 मार्च को तमिलनाडु के कन्याकुमारी में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सत्तारूढ़ द्रमुक ;डीएमकेद्ध के कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु की पूर्व मु यमंत्री ;दिवंगतद्ध जे जयललिता को अपमानित किया। वे महिलाओं के नाम पर राजनीति करते हैंण् डीएमके नेताओं ने महिला आरक्षण विधेयक लाने के हमारे कदम पर भी सवाल उठाया। चाहे पीएम मोदी हो या राजनाथ सिंह बीजेपी जयललिता के प्रति दक्षिण में सॉ ट नजर आ रही है। इस बार बीजेपी सबसे अधिक दांव तमिलनाडु पर लगा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के समय में सबसे अधिक चुनावी रैलियां भी वहीं की है। दिलचस्प है कि चुनावी सीजन में नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के टीवी चैनल को ही अपना सबसे पहला डीटेल्ड इंटरव्यू दिया। हालांकि वहां पार्टी से एआईएडीएमके के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन न हो पाना जरूर झटका माना गया। जानकारों के अनुसारए खुद पीएम मोदी भी चाहते थे कि एआईएडीएमके के साथ गठबंधन हो। उनकी यह मंशा इंटरव्यू में भी दिखी थी जब उन्होंने जयललिता की खूब तारीफकी। उन्होंने यहां तक कहां कि 2002 में गुजरात दंगे के बाद देश के तमाम दूसरे नेताओं ने उनसे दूरी बना ली थीए तब सिर्फजयललिता थीं जो गुजरात आई।

टीएमसी नेता की पत्नी की शिकायत पर एनआईए अधिकारियों के खिलाफ बंगाल पुलिस ने दर्ज की

मेदिनीपुर ०८/०४ (संवाददाता): बंगाल पुलिस के एफआईआर दर्ज करने पर एनआईए टीम ने सफाई पेश की है। एनआईए ने कहा कि उसके कार्य प्रामाणिक, वैध और कानूनी रूप से अनिवार्य थे, कच्चे बम के निर्माण से संबंधित जघन्य अपराध की चल रही जांच के हिस्से के रूप में पश्चिम बंगाल के नरूआबिला गांव पीएस भूपतिनगर जिला पुरबा मेदिनीपुर में एक विस्फोट हुआ जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के भूपतिनगर में हुए हमले के एक दिन बाद यानी रविवार को पुलिस ने एनआईए टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। ये एफआईआर टीएमसी के गिर तार नेता मनोब्रत जना की पत्नी मोनी जना की शिकायत पर एनआईए टीम और सीआरपीएफ अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गयी है। टीएमसी नेता की पत्नी ने भूपतिनगर पुलिस थाने में दायर कराई अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि एनआईए के अधिकारियों ने जांच के बहाने भूपतिनगर स्थित उनके आवास में जबरन घुसकर उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की।बंगाल पुलिस के एफआईआर दर्ज करने पर एनआईए टीम ने सफाई पेश की है। एनआईए ने कहा कि उसके कार्य प्रामाणिकए वैध और कानूनी रूप से अनिवार्य थेए कच्चे बम के निर्माण से संबंधित जघन्य अपराध की चल रही जांच के हिस्से के रूप मेंए पश्चिम बंगाल के नरूआबिला गांव पीएस भूपतिनगर जिला पुरबा मेदिनीपुर में एक विस्फोट हुआ जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

एजेंसी ने कहा श्हमला पूरी तरह से अकारण और अनावश्यक था और एनआईए को उसके वैध कर्तव्यों को पूरा करने से रोकने का प्रयास था। इसमें बताया गया कि स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में और सीआरपीएफ द्वारा प्रदान किए गए सुरक्षा घेरे में पांच स्थानों पर तलाशी ली गईए जिसमें महिला कांस्टेबल भी शामिल थीं। सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद गिर तारियां की गईं।श् बता देंए एनआईए ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पुरबा मेदिनीपुर जिले में 2022 में हुए विस्फोट के मामले में दो प्रमुख साजिशकर्ता मनोब्रत जना और बलाई चरण मेइती को गिर तार किया था। विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

एफआईआर के संदर्भ में पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईए अधिकारियों पर मारपीट करने का आरोप लगाने संबंधी एक महिला की शिकायत मिलने के बाद हमने प्राथमिकी दर्ज की है। हम शिकायत पर गौर कर रहे हैं। भारतीय दंड संहिता की धारा 354 ;महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला करनाद्ध शिकायत में जोड़ी गई है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga 02 Apr 9 APR.pmd 4/9/2024 1:27 PM

विविध समाचार

रंगोत्सव की विदाई का दिन रंगपंचमी

देवता होते हैं आकर्षित

होली यानि ब्रह्मांड का एक तेजोत्सव है। विविध तेजोत्सव तरंगों के भ्रमण से ब्रह्मांड में अनेक रंग आवश्यकता के अनुसार साकार होते हैं। कहा जाता है कि त्रेतायुग के प्रारंभ में श्रीहरि विष्णु ने धूलि वंदन किया, इसका अर्थ यह है कि उस युग में श्री विष्णु ने अलग- अलग तेजोमय रंगों से अवतार कार्य का आरंभ किया। धर्म वैज्ञानिक पंडित वैभव जोशी के अनुसार चैत्र कृष्ण पंचमी को खेली जाने वाली रंगपंचमी आह्वान करने के लिए होती है। यह सगुण आराधना का भाग है। ब्रह्मांड के तेजोमय सगुण रंगों का पंचम स्रोत सक्रिय कर देवता के विभिन्न तत्वों की अनुभूति लेकर उन रंगों की ओर आकृष्ट हुए देवता के तत्व के स्पर्श की अनुभूति लेना, रंगपंचमी का उद्देश्य है। इस दिन वातावरण में उड़ते हुए गुलाल व्यक्ति के सात्विक गुणों में अभिवृद्धि करते हैं और उसके तामसिक और राजसिक गुणों का नाश होता है। सतोगुण की स्थिति व्यक्ति को तभी हासिल होती है जब उसके तामसिक और राजसी प्रवृत्तियां कम होती है।

कैसे पड़ा रंग पंचमी नाम

पंडित वैभव जोशी बताते हैं कि चैत्र मास में कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को रंग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इसी के चलते इसको ये नाम मिला है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन आसमान में रंग उड़ाने से रज और तम के प्रभाव कम हो कर उत्सव का सात्विक स्वरूप निखरता है और देवी- देवता भी प्रसन्न होते हैं। ये भी कहा जाता है कि आसमान से ही रंगों के जरिए भगवान भी अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। उत्तर भारत में जितनी धूमधाम से होली मनाई जाती है, उतने ही उत्साह से कुछ राज्यों में रंग पंचमी का त्योहार मनाते हैं।

इन चार इलाकों में है प्रचलित

रंग पंचमी का चलन भारत के चार क्षेत्रों में सबसे ज्यादा दिखाई देता है। ये इलाके हैं महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश और मालवा का पठार। पंडित वैभव कहते हैं कि महाराष्ट्र में दुलहंडी यानि रंग वाली होली के दिन से रंग खेलने की शुरुआत हो जाती है और पंचमी तक चलती है। ये पंचमी ही रंग पंचमी कहलाती है। इस अवसर पर कई पकवान बनते हैं जिसमें मुख्य रूप से पूरनपोली बनती है। इसके साथ ही रंग पंचमी पर सूखे रंगों से होली खेली जाती है। इस दौरान मछुआरों की बस्ती में विशेष तौर पर आयोजन होते हैं, जैसे नाच, गाना आदि, कहते हैं कि ये समय शादी विवाह तय करने का सर्वोत्तम होता है क्योंकि मछुआरे इस अवसर पर एक दूसरे के घरों को मिलने जाते हैं और परिवारों के बारे में जानकारी मिलती है। इसी तरह राजस्थान में इस दिन खास तौर पर जैसलमेर के मंदिर महल इलाके में खूब धूमधाम होती है। लोकनृत्यों आदि का आयोजन होता है और हवा में लाल, नारंगी और फिरोजी रंग उड़ाए जाते हैं। वहीं मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में इस दिन सड़कों पर रंग मिला सुगंधित जल छिड़का जाता है, और लोग जलूस की शक्ल में रंग उड़ाते हुए निकलते हैं। साथ ही होली के बाद एक बार फिर जम कर रंग खेला जाता है। इसी तरह से लगभग पूरे मालवा के पठार में इस दिन जलूस निकालने की परंपरा है इसे गेर कहते हैं।

प्राचीनकाल से ही होती है रंगपंचमी

इस पर्व का इतिहास काफी पुराना है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में जब होली का उत्सव कई दिनों तक मनाया जाता था उस समय रंगपंचमी के साथ उसकी समाप्ति होती थी और उसके बाद कोई रंग नहीं खेलता था। वास्तव में रंग पंचमी होली का ही एक रूप है जो चैत्र मास की कृष्ण पंचमी को मनाया जाता है। होली का आरंभ फाल्गुन माह के साथ हो जाता है और फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन के बाद यह उत्सव चैत्र मास की कृष्ण प्रतिपदा से लेकर रंग पंचमी तक चलता है। देश के कई हिस्सों में इस अवसर पर धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किये जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार रंग पंचमी अनिष्टकारी शक्तियों पर विजय पाने का पर्व कहा जाता है।

इस दिन होता है इन विशेष वस्तुओं का महत्व

गुलाल- आज्ञाचक्र पर गुलाल लगाना, पिंड बीज के शिव को शक्ति तत्व का योग देने का प्रतीक है। गुलाल से प्रक्षेपित पृथ्वी व आप तत्व की तरंगों के कारण देह की सात्विक तरंगों को ग्रहण करने में देह की क्षमता बढ़ती है। आज्ञा चक्र से ग्रहण होने वाला शक्तिरूपी चैतन्य संपूर्ण देह में संक्रमित होता है। इससे वायुमंडल में भ्रमण करने वाली चैतन्य तरंगें ग्रहण करने की क्षमता बढ़ती है। इस विधि द्वारा जीव चैतन्य के स्तर पर अधिक संस्कारक्षम बनता है।

वायुमंडल- नारियल के माध्यम से वायुमंडल के कष्टदायक स्पंदनों को खींचकर, उसके बाद उसे होली के पांचवें दिन (रंग पंचमी) की अग्नि में डाला जाता है। इस कारण नारियल में संक्रमित हुए कष्टदायक स्पंदन होली की तेजोमय शक्ति की सहायता से नष्ट होते हैं व वायुमंडल की शुद्धि होती है।

रंग कणों से आकर्षित होते हैं दिव्य तत्व -इस दिन वायुमंडल में उड़ाए जाने वाले विभिन्न रंगों के रंग कणों की ओर विभिन्न देवताओं के तत्व आकर्षित होते हैं। ब्रह्मांड में कार्यरत सकारात्मक तरंगों के संयोग से होकर जीव को देवता के स्पर्श की अनुभूति देकर देवता के तत्व का लाभ मिलता है।

रंग पंचमी, महत्व और किस देवी-देवता पर चढ़ाएं कौन सा रंग

रंग पंचमी का पर्व देश के कई राज्यों में धूमधाम से मनाया जाता है। जिस प्रकार कार्तिक पूर्णिमा देवताओं की दिवाली मानी गई है उसी प्रकार रंग पंचमी को देवताओं की होली माना गया है।

प्रेम और सदभावना का त्योहार होली पर रंगों और गुलाल खेलने का सिलसिला चैत्र कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होकर कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि तक चलता है। पंचमी तिथि को इस पर्व का समापन होता है, इस दिन को रंग पंचमी के नाम से जाना जाता है। रंग पंचमी का पर्व देश के कई राज्यों में धूमधाम से मनाया जाता है। जिस प्रकार कार्तिक पूर्णिमा देवताओं की दिवाली मानी गई है उसी प्रकार रंग पंचमी को देवताओं की होली माना गया है।

इस दिन लोग राधा-कृष्ण को अबीर गुलाल अर्पित करते हैं वहीं देश के कुछ राज्यों में इस दिन जुलूस निकालने की भी परंपरा है।पुराणों के अनुसार रंग पंचमी को देवताओं की होली भी कहा जाता है, इसलिए लोग इस दिन आसमान की ओर गुलाल फेंकते हैं और अपने इष्टदेव से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस गुलाल से देवी देवता प्रसन्न होते हैं और जब वो गुलाल वापस नीचे आकर गिरता है, तो उससे पूरा वातावरण शुद्ध हो जाता है हर तरफ की नकारात्मक ऊर्जा एवं बुरी शक्तियों का नाश होता है और चारों तरफ सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है,देवी-देवताओं की कृपा मिलती है।

पौराणिक कथा

रंगपंचमी के दिन प्रभु श्रीकृष्ण ने राधारानी के साथ होली खेली थी। इसी वजह से इस दिन विधि-विधान से राधा-कृष्ण की पूजा करने के बाद गुलाल आदि अर्पित करके खेला जाता है। दूसरी पौराणिक कथा के मुताबिक, होलाष्टक के दिन महादेव ने कामदेव को भस्म कर दिया था जिसकी वजह से देवलोक में सब दुखी थे। मगर देवी रति और देवताओं की प्रार्थना पर कामदेव को दोबारा जीवित कर देने का आश्वासन भगवान महादेव ने दिया तो सभी देवी-देवता प्रसन्न हो गए और रंगोत्सव मनाने लगे। इसके बाद से ही पंचमी तिथि को रंगपंचमी का त्योहार मनाया जाने लगा।

अपने इष्टदेव को इन रंगों में रंग दें

रंग पंचमी के दिन लोग हवा में देवी-देवताओं के निमित्त अलग-अलग फूलों से सुगंधित अबीर-गुलाल को उड़ाते है। इस दिन प्रभु श्री कृष्ण,श्री राम और प्रभु श्री विष्णु को पीला रंग अर्पित कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें पीले रंग के वस्त्र पहनाएं तथा उनके चरणों में पीले रंग का अबीर चढ़ाएं। ऐसा करने से आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी,आध्यत्मिक ऊर्जा का विकास होगा। मां लक्ष्मी, बजरंगबली और भैरव महाराज को लाल रंग अर्पित करें,धन आगमन के साथ-साथ आपके जीवन के क्लेश दूर होंगे। मां बगलामुखी को पीले रंग का अबीर अर्पित करें एवं सूर्यदेव को लाल रंग का गुलाल अर्पित करने से सारे शोक दूर होकर मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शनि देव को नीला रंग बहुत प्रिय होता है,उन्हें नीला रंग अर्पित करें।

क्या होता है देव दोष

ज्योतिष की एक मान्यता अनुसार प्रथम भाव से खानदानी दोष देह पीड़ा, द्वितीय भाव आकाश देवी, तृतीय भाव अग्नि दोष, चतुर्थ भाव प्रेत दोष, पंचम भाव देवी-देवताओं का दोष, छठा भाव ग्रह दोष, सातवा भाव लक्ष्मी दोष, आठवा भाव नाग दोष, नवम भाव धर्म स्थान दोष, दशम भाव पितर दोष, लाभ भाव ग्रह दशा दोष, व्यय भाव पिछले जन्म का ब्रह्म दोष होता है।

कहते हैं कि कोई ग्रह किसी भाव में पीड़ित हो, सूर्य दो ग्रहों द्वारा पीड़ित हो तो जिस घर में होगा वही दोष माना जाता है। देव दोष के 5 कारण और बचने के उपाय। देव दोष और देव ऋण दोनों में फर्क है। चार ऋण होते हैं- देव ऋण, ऋषि ऋण, पितृ ऋण और ब्रह्म। ऋण। माना जाता है कि देव ऋण भगवान विष्णु का है। यह ऋण उत्तम चरित्र रखते हुए दान और यज्ञ करने से चुकता होता है। जो लोग धर्म का अपमान करते हैं या धर्म के बारे में भ्रम फैलाते या वेदों के विरुद्ध कार्य करते हैं, उनके ऊपर यह ऋण दुष्प्रभाव डालने वाला सिद्ध होता है।

देव दोष के कारण

ज्योतिष अनुसार देव दोष पिछले पूर्वजों, बुजुर्गों से चला आ रहा होता है, जिसका संबंध देवताओं से होता है।

- कहते हैं कि किसी जातक ने या उसके परिवार ने या उसके पूर्व सदस्यों ने अपने पूर्वजों, गुरु, पुरोहित, कुलदेवी या देवताओं आदि को मानना छोड़ दिया होगा तो यह दोष प्रारंभ हो जाता है।
- यह भी हो सकता है कि वे थे सभी मानते हों लेकिन उन्होंने या उनके पूर्वजों ने कभी पीपल का वृक्ष काट दिया होगा या किसी देव स्थान को तोड़ दिया होगा तो भी देव दोष प्रारंभ हो जाता है।
- कई बार ऐसा भी होता है कि जातक या उसके परिवार ने किसी संत, साधु या किसी अन्य विचारधारा के प्रभाव में आकर देवी, देवता और कुल धर्म को मानना छोड़ दिया हो या वह नास्तिक बन गया हो।
- माना जाता है कि किसी देवी या देवता से मनौती, मन्नत मांगने पर वह पूरी हो जाती है और उसके एवज में जातक वादा पूरा नहीं करता है तो भी देव दोष उत्पन्न होता है। ऐसा भी हो सकता कि जातक ने पूर्वज ने मन्नत मांगी हो और किए गए वादा को पूरा नहीं किया हो। प्राय: हर व्यक्ति मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए किसी तीर्थ अथवा देवस्थान में जाकर मनौती मांगता है कि हमारी अमुक कामना की पूर्ति के उपरांत हम आपकी पूजा, भेंट, दर्शनादि करेंगे। ऐसा नहीं करने पर यह दोष उत्पन्न हो जाता है।
- यह भी हो सकता है कि किसी जातके पूर्वजों ने अपना धर्म बदल लिया हो और वह किसी अन्य को मानने लगा हो तो उसके इस कर्म का फल उसकी संतानों को भुगतना होता है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वधर्म और कुलधर्म के बारे में विस्तार से वर्णित किया है। ज्योतिष के अनुसार इसका संबंध बृहस्पति तथा सूर्य से होता है। बृहस्पति नीच, सूर्य भी नीच या दोनों बुरे ग्रहों के फेर में हो तो भी यह माना जाता है कि जातक के कुल खानदान का धर्म बदला गया होगा।

इस दोष का असर

इस दोष का असर सर्वप्रथम संतान पर पड़ता है। संतान नहीं होती, होती है तो पीड़ा देने वाली निकलती है। जीवन कभी भी सुखमयिक नहीं व्यतीत होता है। हमेशा कुछ न कुछ कष्ट लगा ही रहता है। रोग और शोक चलता ही रहता है। इसका दूसरा असर नौकरी और कारोबार पर भी पड़ता है जिसमें कभी भी स्थायित्व नहीं रहता है।

उपाय

इस दोष से मुक्ति का उपाय यही है कि फिर से कुल देवी-देवता और कुल धर्म का पालन प्रारंभ कर दें। उत्तरमुखी मकान में रहें और कहीं पर भी एक पीपल का वृक्ष लगाकर उसकी सेवा करें। घर में गीता पाठ का आयोजन करें।

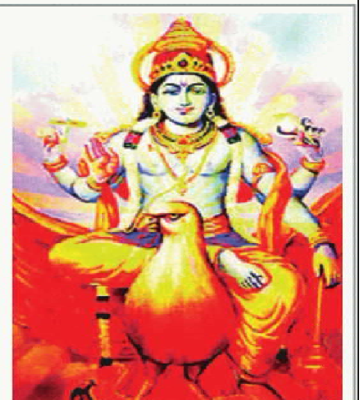

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

कलिंग समाचार

संपादकीय

मंगलवार 09 अप्रैल 2024

पूरी दाल ही काली है

2024 के आम चुनाव में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर पहले से ही कई सवाल खड़े हो रहे थे और अब चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के अचानक हुए इस्तीफे ने इन चुनावों पर संदेह की कालिमा को कुछ और गाढ़ा कर दिया है। भारत के लोकतंत्र की मजबूती में पारदर्शी तरीके से हुए चुनावों की अहम भूमिका रही है। चुनाव में जीत के लिए राजनैतिक दल कई तरह की तिकड़मों को आजमाते हैंए मतदाताओं को लुभाने के लिए भ्रष्ट तरीके अपनाए जाते हैं। मतदान केंद्रों पर गुंडागर्दीए मतदाता सूची में फर्जी नामों को जोड़नाए मतदाताओं को धमकानाए अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदंवियों पर अनेक तरह के हमले करनाए शराब या उपहारों के बदले मतों को खरीदने की कोशिश करनाए सत्ता के लिए पाला बदल लेनाए ऐसी बुराइयों की एक लंबी सूची हैए जो चुनाव के वक्त खुलकर दिखाई देती हैं। ऐसा नहीं है कि इन बुराइयों का जन्म हाल.फिलहाल में हुआ हैए बल्कि शुरुआत से ही राजनैतिक दल सत्ता में आने के लिए बेईमानी तरीकों से परहेज नहीं करतेए लेकिन इसके बावजूद भारत में लोकतंत्र की साख बची रही तो इसका एक बड़ा कारण हमारी मजबूत संवैधानिक संस्थाएं थीं। यहां श्हैंश् कि जगह श्थींश् का इस्तेमाल इसलिए करना पड़ रहा हैए क्योंकि अब संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर बनी इन संस्थाओं की उपयोगिता संदिग्ध हो चुकी है। राजनैतिक दल चाहे जितने भ्रष्ट तरीके अपनाते रहेंए निर्वाचन आयोग ने उन पर अंकुश लगाने का काम हमेशा किया। आचार संहिताए चुनाव में खर्चए निष्पक्ष मतदान इन सब का याल निर्वाचन आयोग रखता था। इनमें कुछ गड़बड़ियां हुईं भी तो विपक्ष की शिकायत को पूरी जगह दी गई। सत्ता का खुलकर साथ देने का दुस्साहस नहीं किया गया। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। अब न्यायपालिका से लेकर जांच एजेंसियों और संवैधानिक संस्थाओं तक किसी की निष्पक्षता कायम नहीं रही है। कोलकाता हाईकोर्ट से इस्तीफा देकर भाजपा के साथ जाने वाले अभिजीत गंगोपाध्याय से जब एक साक्षात्कार में पूछा गया कि गांधी या गोडसे में से किसे चुनेंगेए तो पूर्व जस्टिस इसका कोई जवाब देने की जगह गहरी सांस लेकर सोचते दिखे। यह उदाहरण समझने के लिए काफी है कि हमारा लोकतंत्र किस दुर्दशा को प्राप्त हो चुका हैए जहां संविधान की रक्षा की जि मेदारी निभाने वाले श स को राष्ट्रपिता या उनके हत्यारे में किसी एक का चुनाव करना मुश्किल हो गया है। इसके बाद यह सवाल उठेगा ही कि न्याय की आसंदी पर बैठकर जो फैसले उन्होंने लिए क्या वो निष्पक्ष थेए या तब भी एक राजनैतिक दल की विचारधारा से प्रेरित होकर काम किया जा रहा था। यही सवाल अब अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद भी उठ रहे हैं। क्योंकि एक ओर इस्तीफे के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया जा रहा हैए दूसरी ओर चर्चा हो रही है कि श्री गोयल राजनीति में आना चाहते हैं और चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने इस्तीफा दिया है। इस कारण की कोई पुष्टि अभी नहीं हुई हैए लेकिन अगर इसमें जरा भी सच्चाई है तो यह बेहद गंभीर बात है। बतौर चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का कार्यकाल साल 2027 तक था और अभी तीन साल उन्हें इस पद पर रहना था। उनकी नियुक्ति भी बड़े संदिग्ध तरीके से हुई थी। पंजाब कैडर के आईएएस रहे अरुण गोयल ने 31 दिसंबर 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले थेए लेकिन उन्होंने 18 नवंबर 2022 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। और फिर तीन दिन बाद 21 नवंबर 2022 को वे चुनाव आयुक्त बनाए गए। उनकी इस तरह नियुक्ति पर भी सवाल उठे थे और अब इस्तीफे पर भी सवाल उठ रहे हैं। मौजूदा मु य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति के बाद अगले साल फरवरी में अरुण गोयल मु य निर्वाचन आयुक्त बन सकते थे। लेकिन उन्होंने अभी ही आनन.फानन में इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजाए जिसे मंजूर भी कर लिया गया है। चुनाव की तैयारियों के लिए चुनाव आयोग की टीम अलग.अलग राज्यों का दौरा कर रही थी और अभी अरुण गोयल इस टीम के साथ पश्चिम बंगाल में दो दिवसीय दौरे पर थे। लेकिन आयोग ने इसके बाद जो प्रेस वार्ता कीए उसमें वे शामिल नहीं हुए थे।

डंका तो बज रहा है पर बदनामी का

राजेंद्र शर्मा

जिस जी.20 की सफलता का और उससे दुनिया भर में भारत की शान बढ़ने का इतना ढोल पीटा गयाए प्रधानमंत्री मोदी का एक महंगा प्रचार ईवेंट भर साबित हुआ है। इससे भारत के ग्लोबल साउथ यानी विकासशील दुनिया का नेता बनकर उभरने के दावों का झूठ भी उसके फौरन बादए तभी उजागर हो गया जब अमेरिका की वफादारी के चक्कर में भारत नेए क्यूबा में हवाना में हो रही जी.77 शिखर बैठक मेंए विदेश मंत्री को भेजने की हामी भरने के बादए अपने पांव पीछे खींच लिए। बहुत शोर है कि मोदी के राज में दुनिया भर में भारत का डंका बज रहा है। खुद प्रधानमंत्री मोदी कई मौकों पर अपने मुंह से कह चुके हैं कि पहले तो लोग भारत में पैदा होने पर शर्म महसूस करते थेए पर अब गर्व करते हैं। वह भारत को विश्व गुरु बनाने के इशारे करते रहे हैं। उसे विशेष रूप से आर्थिकए सैन्य और सांस्कृतिक महाशक्ति बनाने के दावे करते रहे हैं। विदेश मंत्रीए एस जयशंकर ने अभी पिछले ही दिनों दावा किया था कि अब श्कोई भी बड़ा वैश्विक मुद्दाए भारत की सलाह के बिना तय ही नहीं होता है।श्

लेकिनए अगर यही सच है तो विदेश मंत्री के उक्त दावे के करीब ही अर्थ द्वारा प्रकाशितए एक लाख सैंतीस लाख से ज्यादा लोगों के सर्वे मेंए 67 फीसद लोगों की यह राय क्यों थी कि बड़ी ताकतों में भारत की आवाज का ही विश्व के भू.राजनीतिक मामलों में सबसे कम असर है। दूसरी ओर अमेरिका के संबंध में ऐसा ही मानने वाले सिर्फ11 फीसदी थेए जबकि चीन के मामले में ऐसा मानने वाले 13 फीसदी और रूस के मामले में ऐसा मानने वाले 15 फीसदी। किसी देश के प्रभाव का एक और पैमानाए उसके पासपोर्ट को अन्य देशों में मिलने वाला वजन माना जाता है। लेकिनए हैंकले पासपोर्ट इंडैक्स पर भारतए अब 85वें स्थान पर है। पिछले साल के मुकाबले भी भारत एक स्थान नीचे ही खिसका है।

वास्तव में इसमें हैरानी की कोई बात भी नहीं है क्योंकि विश्व में भारत का डंका बजने काए प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरों के समयए प्रवासी भारतीयों को जुटाकर किए जाने वाले प्रायोजित ईवेंटों के अलावाए कोई कारण भी नहीं है। बेशकए अपने आकार के चलते भारतए दुनिया की चौथी बड़ी सैन्य शक्ति है। इसी प्रकारए आकार से ही जुड़ा भारत का सकल घरेलू उत्पादए उसे दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में पांचवें स्थान पर पहुंचा देता है। और वर्तमान विकास दर सेए अगले पांच साल में भारत के तीसरे स्थान पर पहुंच जाने में भीए जिसकी श्मोदी की गारंटीश् का बहुत शोर हैए हैरानी की कोई बात नहीं होगी। लेकिनए इन गिनतियों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि प्रतिव्यक्ति आय के पैमाने से वही भारतए 197 देशों में 142वें स्थान पर है। जाहिर है कि किसी देश की सामर्थ्य का कहीं वास्तविक परिचायकए यही स्थान है।

हैरानी की बात नहीं है कि जनता की वास्तविक दशा को दर्शाने वाले सभी महत्वपूर्ण सूचकांकए भारत का डंका बज रहे होने की नहींए उसकी दुर्दशा की ही कहानी कहते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की पांच एजेंसियों द्वारा खाद्य सुरक्षा तथा पोषण पर 2023 में तैयार की गई रिपोर्ट बताती है कि 74ण्1 फीसद यानी करीब 1ण्043 अरब भारतीयए सर्वे के वर्ष 2021 मेंए एक स्वस्थ खुराक हासिल करने में असमर्थ थे। इसी रिपोर्ट के अनुमान के अनुसारए 2020.22 के दौरान भारत की 16ण्6 फीसद आबादी कुपोषित थी। यह भी गौरतलब है कि ग्लोबल हंगर इंडैक्स पर भारतए 2022 में 107वें स्थान पर था और ग्लोबल फूड सिक्यूरिटी इंडैक्स परए 68वें स्थान पर।

इन्हीं हालात का नतीजा हाल में तीन ऐसी अतियों के रूप में भी देखने को मिला हैए जो बाकी दुनिया में भारत की बदहाली का डंका बज रहे होने की ही संकेतक हैं। इनमें एक का संबंधए यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना की ओर से झोंके गए कुछ भारतीयों के हताहत होने की धीरे.धीरे आ रही खबरों से है। जाहिर है कि भारी मुश्किलों तथा मजबूरियों के चलते ये भारतीय नागरिकए रूसी सेना के सहायकों के रूप में काम करने पहुंचे थे और किसी प्रकार उन्हें युद्ध के खतरों के बीच झोंक दिया गया। इसी का दूसरा रूपए इज्रायल.फिलिस्तीन युद्ध के बीचए इज्रायल की मांग परए वहां गिरमिटिया बनाकर भारतीय मजदूरों के भेजे जाने का हैए जिसमें भाजपा की केंद्र तथा हरियाणा व उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों कीए सक्रिय हिस्सेदारी है। इन मजदूरों के युद्धग्रस्त देश में जाने पीछे की मजबूरी का अंदाजा एक मजदूर के इस चर्चित कथन से लगाया जा सकता है किए श्यहां भूख से मरने से तोए इज्रायल में लड़ाई में मरना ही बेहतर है।श् तीसरा रूपए पिछले ही दिनों डंकी मारकर अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए एक गुजराती भारतीय परिवार के मारे जाने के बाद आईए इस आशय की खबरों का है कि अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वालों में अबए भारतीयों की सं या ही सबसे बड़ी है। क्या यही विश्व गुरु बनने के लक्षण हैं?

लेकिनए बात सिर्फ भारत के अपेक्षाकृत गरीब तथा पिछड़ा होने की ही होतीए तब भी गनीमत थी। मोदी राज ने अपने दस साल में देश को उल्टे ही रास्ते पर धकेल दिया हैए जहां उसकी गांठ की पूंजी भी लुटती जा रही है। लंबे और शानदार स्वतंत्रता आंदोलन से निकले भारत ने अपने लिए जिस समावेशीए धर्मनिरपेक्षए जनतंत्र को अपनाया थाए जनता के लिए जिस तरह की स्वतंत्रताएं व कानूनी समानताएं सुनिश्चित की थींए उस सब को व्यवस्थित तरीके से खोखला कर के खत्म किया जा रहा है। इसका नतीजा यह है कि आज दुनिया में भारत का अगर कोई डंका बज रहा हैए तो यह बदनामी का डंका है। ऐसे ही डंके के हिस्से के तौर परए दिल्ली के मु यमंत्री केजरीवाल की कथित शराब घोटाले के सिलसिले मेंए चुनाव से ठीक पहले ईडी द्वारा गिर तारी के खिलाफ जर्मनी तथा अमेरिका ने चिंता जताई है। बेशकए मोदी सरकार ने उनके चिंता जताने पर आपत्ति भी दर्ज कराई हैए लेकिन ये सब तो बदनामी का डंका और जोर.जोर से बजने की ही निशानियां हैं।

यह संयोग ही नहीं है कि मोदी राज में लगातार गिरकरए विश्व प्रेस फ्रीडम इंडैक्स पर भारतए 161वें स्थान पर पहुंच चुका है। यहां भी वह 2022 के 150वें स्थान से 11 अंक नीचे फिसल कर पहुंचा है। समावेशीपन सूचकांक पर भारत 117वें स्थान पर है और वैश्विक जेंडर गैप सूचकांक पर भीए 127 वें स्थान पर है। उधर चुनावी जनतंत्र सूचकांक पर भी भारतए 108वें स्थान पर है और कुल मिलाकर जनतंत्र सूचकांक पर 10 स्थान नीचे खिसक करए 51वें स्थान पर चला गया है। वास्तव में वी.डेम इंस्टीट्यूट ने जो भारत को 2018 से चुनावी तानाशाही घोषित कर रखा हैए उसके दायरे में उसने इस साल भारत का सबसे तेजी से तानाशाही की ओर बढ़ना दर्ज किया है।

यह संयोग ही नहीं है कि मोदी राज में लगातार गिरकरए विश्व प्रेस फ्रीडम इंडैक्स पर भारतए 161वें स्थान पर पहुंच चुका है। यहां भी वह 2022 के 150वें स्थान से 11 अंक नीचे फिसल कर पहुंचा है। समावेशीपन सूचकांक पर भारत 117वें स्थान पर है और वैश्विक जेंडर गैप सूचकांक पर भीए 127 वें स्थान पर है। उधर चुनावी जनतंत्र सूचकांक पर भी भारतए 108वें स्थान पर है और कुल मिलाकर जनतंत्र सूचकांक पर 10 स्थान नीचे खिसक करए 51वें स्थान पर चला गया है। वास्तव में वी.डेम इंस्टीट्यूट ने जो भारत को 2018 से चुनावी तानाशाही घोषित कर रखा हैए उसके दायरे में उसने इस साल भारत का सबसे तेजी से तानाशाही की ओर बढ़ना दर्ज किया है।

स्वतंत्रताओं के छीने जाने का आलम यह है कि किसान आंदोलन के ताजा चक्र की पूर्व.संध्या में हीए किसानों का दिल्ली पहुंचना असंभव बनाने के लिए युद्ध जैसे दमनमारी इंतजामात ही नहीं कर लिए गएए हरियाणा में पूरे आठ जिलों में इंटरनैट पर पूरी तरह से पाबंदी लगाने के साथ ही ;ऐसी पाबंदी लगाने में भारत पहले ही विश्व गुरु बन चुका हैद्ध किसान आंदोलन से जुड़े लोगों तथा इस आंदोलन की खबर दे सकने वाले पत्रकारों तक के सोशल मीडिया खातेए सरकारी आदेश से बंद करा दिए गए। इससे खीझे एक्स ;पहले ट्विटरद्ध ने सारी दुनिया में यह जानकारी प्रसारित कर दी कि भारत सरकार ने मजबूर कर के उससे उक्त खाते बंद कराए हैंए वह खुद लोगों की स्वतंत्रता के इस दमन के खिलाफहै और उक्त खाते केवल भारत में बंद किए जाएंगे और भारत से बाहर देखे जा सकेंगे। जाहिर है कि ये सब तो बदनामी के ही डंके हैं।

ऐसे ही डंके तब बजते हैं कि जब योरोपए अमेरिका तथा शेष दुनिया के धार्मिक स्वतंत्रताओं तथा अल्पसं यकों के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनए भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के क्षय तथा अल्पसं यकों के अधिकारों पर बढ़ते हमलों पर बार.बार उंगली ही नहीं रखते हैंए अपनी सरकारों से इसके खिलाफकार्रवाई करने की मांग भी करते हैं और अमेरिका जैसी सरकारेंए भारत के साथ संवाद में इन चिंताओं को उठाने के वादे भी करती हैं।

विश्व में धार्मिक स्वतंत्रताओं की स्थिति की निगरानी करने वाली अमेरिकी संस्थाए यूएससीआईआरएफ ने 2023 की अपनी रिपोर्ट में लगातार चौथे साल अमेरिकी सरकार से आग्रह किया था कि श्भारत में धर्म या आस्था की स्वतंत्रता के व्यवस्थितए लगातार जारी तथा भीषण उल्लंघनोंश् के लिएए उसे श्विशेष चिंता का देशश् घोषित किया जाए! ऐसा ही एक और डंका हाल ही में तब बजा था जब एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि कैसे भारत में 128 बुलडोजर कार्रवाइयों में मुसलमानों को निशाना बनाया गया था और ऐसी सबसे ज्यादा कार्रवाइयां मध्य प्रदेश में ही हुई थींए जिनकी सं या 56 थी।

बेशकए मोदी सरकार सच्चाई को छुपाने की कोशिश मेंए नियमतरू ऐसे सभी संकेतकों को नकारती है। और तो और उसने कोविड से मौतों की वास्तविक सं या को भी छुपाने की कोशिश की थी और भारत में तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के दसवें हिस्से के बराबर ही मौतें होने का दावा किया था। लेकिनए इस तरह के खंडनों तथा सच्चाई को छुपाने की कोशिशों से तोए दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा और गिरती ही है। दूसरी ओरए एक बड़ी ताकत बन जाने की झूठी शान की कीमत भारत को अपने सभी पड़ौसी देशोंकृपाकिस्तानए चीनए बांग्लादेशए नेपालए भूटानए श्रीलंकाए अफगानिस्तानए ईरानए यहां तक कि मालदीव भीकृके साथ रिश्तों के खराब से असहज तक बने रहने के रूप में चुकानी पड़ रही है।

उधर अमेरिका के नेतृत्व में सामराजी ताकतों ने भारत कोए समाजवादी चीन की घेराबंदी का औजार बनाने के लिएए उसके साथ जो रणनीतिक रिश्ते बनाए हैं तथा उसे लेकर क्वॉड व आई.2 यू.2 जैसे जो गुट बनाएं हैंए भारत के जूनियर पार्टनर बनने की सच्चाई को छुपा नहीं सकते हैं। जिस जी.20 की सफलता का और उससे दुनिया भर में भारत की शान बढ़ने का इतना ढोल पीटा गयाए प्रधानमंत्री मोदी का एक महंगा प्रचार ईवेंट भर साबित हुआ है। इससे भारत के ग्लोबल साउथ यानी विकासशील दुनिया का नेता बनकर उभरने के दावों का झूठ भी उसके फौरन बादए तभी उजागर हो गया जब अमेरिका की वफादारी के चक्कर में भारत नेए क्यूबा में हवाना में हो रही जी.77 शिखर बैठक मेंए विदेश मंत्री को भेजने की हामी भरने के बादए अपने पांव पीछे खींच लिए। यानी डंका जरूर बज रहा हैए पर बदनामी का डंका।

चुनाव में नहीं चुना जाता पर्यावरण

डॉ. ओ पी जोशी

इसी समय जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वयश् ;एनएपीएमद्ध में दस सूत्रीय जनता के मुद्दे सुझाये थे जिनमें एक जलए जंगलए जमीनए खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़ा था। प्रसिद्ध पत्रकार प्रफुल्ल बिडवई से जुड़े नागरिकों के संगठन ने भी एक एजेंडा बनाया था जिसमें देश के प्राकृतिक संसाधनों एवं उनके प्रबंधन पर स्थानीय समुदाय के लोगों की भागीदारी पर जोर दिया गया था।

बहुत अधिक पीछे न जाकर पिछले 11.12 वर्षों में घटी प्रमुख त्रासदियों ;केदारनाथए जोशीमठ एवं सिक्किमद्ध तथा मौसम की चरम घटनाओं को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि सभी राजनैतिक दल आगामी लोकसभा चुनाव ;2024द्ध में पर्यावरण को महत्व दें। पर्यावरण के मुद्दों को अपने घोषणा पत्रों या संकल्प.पत्रों में शामिल कर उनके समाधान हेतु प्रतिबद्धता दर्शायें। पर्यावरण से जुड़े कई लोगों एवं संगठनों की सलाह.सुझाव एवं मांगों के बावजूद राजनैतिक दलों ने पर्यावरण से दूरी ही बनाकर रखी है।

प्रसिद्ध वकीलए पर्यावरणविद् एवं श्मेगसेसे पुरस्कारश् प्राप्त एमसी मेहता ने ब बई ;अब मु बईद्ध में आयोजित एक समारोह ;1988द्ध में कहा था कि पर्यावरण से जुड़े लोग चुनाव लड़ने वाले उ मीदवारों पर इस बात का दबाव बनायें कि वे अपने घोषणापत्रों में पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को शामिल करें। इसके साथ ही यह भी कहा था कि पर्यावरण क्षरण के कारणों में राजनैतिक नेताओं तथा सरकारी अफसरों की जि मेदारी तय होना चाहियेए भले ही वे पद पर हों या नहीं।

दिल्ली स्थित श्विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्रश् ;सीएसईद्ध के संस्थापक स्वण् अनिल अग्रवाल ने दिल्ली दूरदर्शन के एक कार्यक्रम में कहा था कि देश को ऐसे जि मेदार एवं संवेदनशील राजनेताओं को जरूरत है जो अन्य समस्याओं के साथ न केवल पर्यावरण की समस्याओं को समझेंए अपितु उनके समाधान में भी अग्रणी रहें। मार्च 2005 में श्आजादी बचाओ आंदोलनश् के एक कार्यक्रम में श्विश्वविद्यालय अनुदान आयोगश् के तत्कालीन अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक स्वण् प्रोण् यशपाल ने कहा था कि राजनैतिक दलों ने चुनाव में हमेशा आम जनजीवन से जुड़े मुद्दों की अनदेखी की हैए जिनमें पर्यावरण की समस्याएं प्रमुख हैं। श्चिपको आंदोलनश् के प्रमुखए पद्मभूषण श्री चंडीप्रसाद भट्ट का कहना है कि मानव अस्तित्व की रक्षा के लिए पर्यावरण के बारे में राजनैतिक दलों ने कभी गंभीरता से नहीं सोचा। विभिन्न दलों के नेता सामाजिक संगठनों के मंचों से तो पर्यावरण बचाने की बात करते हैंए परतु चुनाव के समय अपने घोषणा पत्रों में उसे जगह नहीं देते। श्चिपको आंदोलनश् को वैश्विक याति दिलवाने वाले स्वण् सुंदरलाल बहुगुणा ने श्नदी.जोड़ योजनाश् की एक बैठक में मई 2009 में गुस्से से कहा था कि सभी राजनैतिक दलों द्वारा पर्यावरण को चुनावी मुद्दा नहीं बनाना एक अपराध है क्योंकि इस सदी की शुरुआत ही जल संकट एवं श्ग्लोबल वार्मिंगश् जैसी वैश्विक समस्याओं से हुई है।

लगभग 50 वर्ष पूर्व श्विश्वद प्रकृति निधिश् ;वर्ल्ड फंड फॉर नेचरए डब्ल्यूएफएन जिसका पूर्व नाम श्विश्व वन्य जीव कोषश् था।द्ध ने एक श्ग्रीन.चार्टरश् बनाकर विभिन्न राजनैतिक दलों के पास इस अनुरोध के साथ भेजा था कि इसकी बातें वे अपने चुनावी घोषणापत्रों में शामिल करें। इसमें पांच प्रमुख बात कही गयीं थीं . श्केन्द्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालयश् का नाम श्पर्यावरण संरक्षण मंत्रालयश् होए पर्यावरण संरक्षण में जनता की भागीदारी की योजना बनाई जाएए उद्योगए कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में पर्यावरण सरंक्षण पर ध्यान देंए शहरों की संतुलित एवं पर्यावरण अनुकूल विकास योजनाएं बनेए शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरण के महत्व को समझाया जाए।

इसी समय श्जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वयश् ;एनएपीएमद्ध में दस सूत्रीय जनता के मुद्दे सुझाये थे जिनमें एक जलए जंगलए जमीनए खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़ा था। प्रसिद्ध पत्रकार प्रफुल्ल बिडवई से जुड़े नागरिकों के संगठन ने भी एक एजेंडा बनाया था जिसमें देश के प्राकृतिक संसाधनों एवं उनके प्रबंधन पर स्थानीय समुदाय के लोगों की भागीदारी पर जोर दिया गया था। वर्ष 1998 में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान वहां के निवासियों को वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभावों के बारे में श्विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्रश् द्वारा बताया गया था। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से कहा जाना चाहिए कि वे वादा करें कि पर्यावरण के मामले में आम लोगों के साथ हैं। इस सिलसिले में प्रत्याशियों के प्रयासों की जानकारी घोषणा पत्रों के अलावा विज्ञापनों में भी दी जानी चाहिए।

हाल ही में मु बई से प्रकाशित एक समाचार पत्र से पता चला कि वहां के श्नेट.कनेक्टश् तथा श्वाय डाग फाउंडेशनएश् श्सागर शक्तिएश् श्खबरएश् श्वेटलैंड्स ऐंड हिल्सश् तथा श्एलायंस फार रिवर्स इन इंडियाश् आदि संगठनों के प्रमुख एवं उनसे जुड़े कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए राजनेताओं की जवाबदेही हेतु एक अभियान शुरू किया है। इसका प्रमुख मुद्दा है कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने हेतु राजनैतिक दल अपने घोषणा पत्रों में इसका उल्लेख करें। इस संदर्भ में सभी दलों को पत्र भी लिया गया है। पर्यावरण के बिगड़े और लगातार बिगड़ते हालातों को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाग ले रहे प्रत्याशी अपने.अपने क्षेत्रों की पर्यावरण समस्याएं एवं उनके समाधान के प्रयासों की जानकारी घोषणा पत्रों में दें।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

विविध समाचार

पलामू में फर्जी पुलिस वाला गिरफ्तार, ट्रक मालिक से मांगे 20 लाख रुपये, एनकाउंटर की दी थी धमकी

पलामू ०८/०४ (संवाददाता): फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर 20 लाख रुपये मांगेए डरकर दूसरे व्यक्ति ने तीन लाख रुपये इसके अकाउंट में जमा भी कर दिये। घटना पलामू के मनातू पुलिस ने फर्जी अधिकारी का खुलासा किया है।

इस व्यक्ति को गिर तार किया गया है। गिर तार आरोपी का नाम कामरान उर्फ रिजवान अंसारी बताया गया है जो कुसड़ी गांव का रहने वाला है। रिजवान ने पुलिस वाला बनकर लाखों रुपये की रंगदारी वसूली है।रिजवान ने पंजाब फोन लगाकर एक ट्रक मालिक से 20 लाख रुपये की

डिमांग की।

ट्रक मालिक बालकार सिंह का ट्रक सामान लेकर मनातू इलाके में आता है।कुछ दिन पूर्व वन विभाग ने ट्रक को पकड़ा था। इसी दौरान रिजवान ने किसी तरह ड्राइवर से मालिक बालकार सिंह का फोन नंबर ले लिया था।

नकली पुलिस वाला बनकर उसने ट्रक मालिक से 20 लाख रूपये रंगदारी मांगी। नहीं देने पर ड्राइवर के एनकाउंटर करने का धमकी भी दी । डरकर बालकार सिंह ने रंगदारी के रूप में तीन लाख रूपये रिजवान और उसके साथी के अकाउंट में जमा करा दिये। रिजवान खुद को मनातू थाने का सीनियर पुलिस अधिकारी बताकर बालकार सिंह से बात करता था। तीन लाख रुपए लेने के बाद भी जब रिजवान 17 लाख रुपए के लिए ट्रक मालिक को परेशान करने लगा तब ट्रक मालिक ने एसपी चंदन कुमार सिन्हा से फोन पर संपर्क किया।ठग रिजवान को दिए पैसे का डिटेल एसपी को देते हुए पूरी कहानी बता दी।एसपी के आदेश पर मनातू पुलिस ने जांच कियाए तो रिजवान पकड़ा गया।

रिजवान फर्जी पत्रकार बनकर इलाके में अपना धौंस दिखाता था। थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि मनातू वन विभाग के चेकपोस्ट के पास से रिजवान को पकड़ा गया।

रंगदारी का 2 लाख 70 हजार रूपये रिजवान ने बंधन बैंक के अपने खाता में मंगाया था। जबकि 30 हजार रूपये दोस्त आशीफरजा के बैंक खाते में जमा करवाए थे।

झारखंड के छात्रों के लिए सुनहरा मौका, विद्याधन प्रोग्राम के तहत छात्र कर सकते हैं आवेदन

रांची ०८/०४ (संवाददाता): झारखंड के विद्यार्थियों को झारखंड विद्याधन प्रोग्राम एक बेहतरीन मौका दे रहा है। इसमें वैसे छात्र जिन्होंने 2022 की 10वीं की परीक्षा में 75: या 7ण्5 सीजीपीए अंक प्राप्त किये हैंए उनके लिए स्कॉलरशिप का बेहतरीन मौका है। परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम है तो आवेदन कर सकते हैं।इस छात्रवृत्ति के माध्यम से जिनका चयन होगा। उन्हें इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए प्रति वर्ष 10 हजार रुपये मिलेंगे। 30 अक्टूबर तक आवेदन करने की अंतिम तारीख है। स्कॉलरशिप सरोजिनी दामोदरन फाउंडेशन की ओर से

दी जाएगीण् इस फाउंडेशन की शुरुआत कुमारी शिबूलाल ;संरक्षकद्ध और इंफोसिस के को.फाउंडर एसडी शिबूलाल हैंण्

छात्रवृत्ति पाने को इच्छुक उ मीदवारों के लिए योग्यता निर्धारित है। वैसे स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं जिनके परिवार की वार्षिक आय 2 लाख रुपये से कम हैण् छात्र या छात्रा ने झारखंड राज्य से अपनी मैट्रिक परीक्षा वर्ष 2022 में 75: या 7ण्5 सीजीपीए ;विकलांग छात्रों के लिए 60 प्रतिशत या 6 सीजीपीएद्ध के साथ उत्तीर्ण किया हो। यनित स्टूडेंट्स को इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 10 हजार रुपये प्रतिवर्ष मिलेंगे। अगर छात्र का प्रदर्शन अच्छा रहता हैए तो प्र डिग्री कोर्स करने के लिए प्रति वर्ष 10000 रुपये से 60000 रुपये के बीच दिया जायेगा.

आज का राशिफल

मेष - आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ - गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी - व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह - आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या - गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला - गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक - आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु - गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर - आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ - गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन - आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

रोहतास में एंबुलेंस और ट्रक की टक्कर, दो की मौत

बोकारो ०८/०४ (संवाददाता): रोहतास एक एंबुलेंस और ट्रक में गुरुवार को टक्कर हो गई। हादसे में एंबुलेंस सवार दो लोगों की मौत हो गई। दोनों ही बोकारो ;झारखंडद्ध से अपनी चाची के शव का दाह संस्कार के लिए वाराणसी ;यूपीद्ध जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। घटना रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र के खुरमाबाद के छ .2 पर हुई।मृतकों की पहचान शंभू कुमार ;47द्ध और गोपाल प्रसाद सिंह ;55द्ध के रूप में की गई। दोनों ही साला और जीजा थे। दोनों मूलतरू बेगूसराय जिला के नावोकोठी के रहने वाले थे। बोकारो में अपनी चाची शांति देवी के निधन की सूचना पर पहुंचे थे। इसके बाद बोकारो से चाची शांति देवी के शव को दाह संस्कार के लिए वाराणसी ले जा रहे थे। इधरए घटना की सूचना के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल लाया गया। परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं।

गिरिडीह के धनवार में नव विवाहिता की संदेहास्पद मौत

पिता ने ससुराल पक्ष पर लगाया दहेज के लिए हत्या का आरोप

धनवार ०८/०४ (संवाददाता): गिरिडीह के धनवार थाना क्षेत्र के रजगडहा में एक नवविवाहिता की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई। महिला का नाम निसारा खातून बताया जा रहा है। 42 दिन पूर्व गांव के ही युवक मो जाबिर मिया से लड़की का विवाह हुआ था। लड़की के पिता का दावा है कि ससुराल के लोगों ने दहेज के लिए लड़की को जबरन जहर देकर मारा डाला। महिला के पति का कहना है कि पत्नी ने खुद जहर खाकर जान दी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लड़की के पिता की शिकायत पर मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है।मिली जानकारी के नुसार धनवार थाना क्षेत्र के राजगडहा निवासी अब्बास मिया की 19 वर्षिय पुत्री निसारा खातून की शादी हाल में ही गांव के तजमुल मियां के पुत्र मो जाबिर मिया के साथ इस्लामिक रीति रिवाज से हुई थी। लड़की के पिता का कहना

है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज के रूप में गाड़ी और दो लाख रुपये की मांग करने लगे। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण लड़की के पिता ससुराल पक्ष की मांग पूरी नहीं कर सके। बेटी की शादी के बाद वह मजदूरी करने कोलकाता चले गए। इस बीच रविवार की रात उन्हें बेटी के जहर खाने की सूचना मिला।

पिता का दावा है कि इसके बाद लड़की के मायके पक्ष के लोग ससुराल पहुंचे। इस दौरान बेटी के ससुराल वालों ने पारिवार के लोगों के साथ मारपीट की। किसी तरह लड़की को घर से अस्पताल पहुंचाया गया। जांच के बाद चिकित्सकों ने लड़की को मृत घोषित कर दिया। मायके वालों का दावा है कि दहेज को लेकर पहले भी विवाद हुआ। पंचायत हुई। इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोग लड़की को प्रताड़ित करते रहे। पिता ने धनवार थाना में आवेदन देकर पति मो जाबिरएससुर तजमुल मियाएसास सेरूणा खातूनएजेठ कुद्दुस अंसारी सहित अन्य लोगों पर दहेज के लिए हत्या का मामला दर्ज कराया है। महिला के पति का कहना है कि पत्नी ने खुद ही जहर खा लिया था।

नाबालिग लड़की की मां के वाट्सएप पर अश्लील फोटो भेजकर ब्लैकमेलिंग, मांगे 10 लाख

लोहरदगा ०८/०४ (संवाददाता): लोहरदगा में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। वाट्सएप पर अश्लील फोटो भेजकर ब्लैकमेलिंग की कोशिश हुई है। नाबालिग लड़की को बदनाम करने का डर दिखाकर 10 लाख रुपये की मांग की गई है। पीड़िता की मां ने इस मामले में सेन्हा थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कहा गया है कि आरोपी ने पहले वाट्सएप पर अश्लील फोटो भेजा। उसके बाद कहा कि 10 लाख रुपये दोए नहीं तो फोटो को वायरल कर बेटी को बदनाम कर देंगे।

यह सुनकर नाबालिग पीड़िता छात्रा की मां घबरा गई। उसने फोटो भेजने वाले व्यक्ति को फोन किया। उससे मिन्नतें कीए कहा कि मैंने तु हारा क्या बिगाड़ा है। मेरी बेटी को क्यों बदनाम कर रहे हो। इसके बाद भी वाट्सएप पर फोटो भेजने वाले ने धमकी देना बंद नहीं किया।

अश्लील फोटो को वायरल करने की धमकी देता ही रहा। यह भी कहा कि मामला पुलिस तक ले गई तो इंटरनेट मीडिया के जरिए पूरे दुनिया में अश्लील फोटो वायरल कर देगें। इसके बाद पीड़िता की मां के बयान पर सेन्हा थाना में प्राथमिकी दर्ज हो चुका है। पुलिस पूरे मामले की जांच के साथ अनुसंधान शुरू कर दी है। बताया जाता है कि सेन्हा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला के वाट्सएप पर एक दूसरे मोबाइल नंबर से एक फोटो भेजा जाता है। इस अश्लील फोटो में चेहरा तो महिला की बेटी का हैए लेकिन शरीर का शेष भाग किसी दूसरे का दिखाई देता है। इसके बाद फोटो भेजने वाले ने फोन कर कहा कि 10 लाख रुपये दो नहीं तो इस फोटो को वायरल कर देंगे।

यदि तुमने पुलिस को बताया तो तु हारी बेटी को उठाकर धंधे पर बैठा देंगे और उसी से पैसा कमाएंगे। महिला ने उससे रोते हुए कहा कि मेरी बेटी नौवीं कक्षा में पढ़ती है। वह नाबालिग हैए उसे क्यों बदनाम कर रहे होए लेकिन फोटो भेजने वाले व्यक्ति का दिल नहीं पसीजा। इसके बाद पीड़िता नाबालिग छात्रा की मां ने सेन्हा थाना में भादवि की धारा 504ए 506ए 354एए 385ए पोक्सो एक्ट और 67बी आईटी एक्ट के तहत कांड सं या 59ध्22 में प्राथमिकी दर्ज कराया। पुलिस अब उस मोबाइल नंबर वाले व्यक्ति की तलाश कर रही है। पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

6 वर्षों से फरार भाकपा माओवादी का हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

लोहरदगा ०८/०४ (संवाददाता): लोहरदगा जिले के पेशरार थाना पुलिस ने छह वर्षों के लंबे अंतराल से फरार चल रहे भाकपा माओवादी संगठन के हार्डकोर नक्सली को गिर तार कर जेल भेज दिया। माओवादी के खिलाफ पेशरार थाने में दर्ज प्राथमिकी में पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी। इसी बीच माओवादी के पेशरार बाजार में आने की गुप्त सूचना स्थानीय पुलिस को मिली।

जिसके बाद पुलिस ने क्षेत्र को घेराबंदी कर माओवादी को गिर तार करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। लोहरदगा जिले के पेशरार थाना क्षेत्र के बुलबुल गांव निवासी सितना खेरवार के पुत्र हार्डकोर माओवादी अशोक खेरवार के विरुद्ध पेशरार थाने में भादवि की धारा 147ए 148ए 149ए 307ए 353ए विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3ध्4ए शस्त्र अधिनियम की धारा 25 ;1.ठद्धएए 26ए 37ए 35 और सीएलए एक्ट की धारा 17 के तहत कांड सं या 41ध्16 में प्राथमिकी दर्ज है।

पुलिस को अशोक खेरवार की तलाश काफी समय से थी। उसकी गिर तारी को लेकर पुलिस ने उसके घर पर कई बार छापेमारी भी की थीए परंतु वह हर बार पुलिस के हाथों से बच निकलता था। नक्सली के विरुद्ध न्यायालय से गिर तारी वारंट जारी थी। इसी बीच पुलिस ने फरार माओवादी को पेशरार बाजार से गिर तार कर लिया।

Printed, Published, Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Mainroad, Chhend colony, Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email: kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, मंगलवार 09 अप्रैल 2024 | पृष्ठ-6

दिन में लू और रात में उमस...,ओडिशा के 11 जिलों में हीट वेव को लेकर जारी अलर्ट

भुवनेश्वर ०८/०४ (संवाददाता): ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के साथ पूरे प्रदेश में जारी उमस भरी गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए मौसम विभाग ने हीट वेब के साथ पीली चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने कहा है कि दिन का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। उमस भरी गर्मी जारी रहेगीए जिससे अधिक मात्रा में पानी पीने या पेययुक्त खाद्य का अधिक सेवन करने का सुझाव दिया गया है। भुवनेश्वर में भारत मौसम विज्ञान विभाग ;आईएमडीद्ध के क्षेत्रीय केंद्र ने गुरुवार से अगले तीन दिनों के लिए ओडिशा के 11 जिलों में लू की स्थिति के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। ये जिले हैं नयागढ़, बौद्ध, कंधमाल, कटक, भद्रक, जाजपुर, बलांगीर, कालाहांडी, मालकानगिरी, कोरापुट और ढेंकानाल। आईएमडी की भविष्यवाणी के अनुसारए इन जिलों में दिन के समय तीव्र गर्मी की स्थिति और रात के दौरान गंभीर आर्द्रता का अनुभव होगा।आईएमडी ने यह भी भविष्यवाणी की है कि पारा का स्तर सामान्य तापमान की तुलना में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। तटीय और आंतरिक ओडिशा में अगले तीन दिनों तक तीव्र उमस की स्थिति रहेगी। क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने बताया कि इस तरह की स्थिति १० अप्रैल तक जारी रहने की संभावना है।

कांग्रेस ने लोस की 8 और विधानसभा की 49 सीटों पर उतारे उमीदवार

भुवनेश्वर ०८/०४ (संवाददाता): ओडिशा में भाजपा एवं बीजद के बाद अब कांग्रेस ने भी अपने उमीदवार की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने ओडिशा की 21 लोकसभा में से 8 पर जबकि विधानसभा की 147 सीट में से 49 सीटों के लिए अपने उमीदवारों की पहली सूची जारी की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शरत पटनायक नुआपड़ा सीट से चुनाव लड़ेंगे जबकि बलांगीर विधानसभा सीट से नरसिंह मिश्रा के बेटे समरेन्द्र मिश्रा को टिकट दिया गया है। उसी तरह से पूर्व केन्द्र मंत्री भक्त चरण दास को नरला विधानसभा से उ मीदवार बनाया गया हैए जबकि भवानीपाटना से सागर चरण दास पार्टी के उ मीदवार बने हैं।बलांगीर लोकसभा सीट से अभिनेता मनोज मिश्रा को पार्टी ने उ मीदवार बनाया है तो विजय पटनायक को पारलाखेमुंडी से विधानसभा के लिए चुनाव मैदान में उतारा है।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए कर्मचारियों को बधाई देने के लिए निदेशक प्रभारी द्वारा विभिन्न विभागों का दौरा

राउरकेला ०८/०४ (संवाददाता): निदेशक प्रभारी, आरएसपी सह अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टील प्लांट, श्री अतनु भौमिक ने विगत दिनोंइस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों का दौरा किया और वित्तीय वर्ष 2023-24 में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम को बधाई दी। गौरतलब है किए इस्पात संयंत्र ने पिछले वित्तीय वर्ष में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ हॉट मेटल, क्रूड स्टील और विक्रेय योग्य स्टील उत्पादन दर्ज किया है। निदेशक प्रभारी के साथ कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स श्री एस आर सूर्यवंशी, कार्यपालक निदेशक ;कार्मिक एवं प्रशासन सह परियोजना के अतिरिक्त प्रभार श्री तरूण मिश्रा, कार्यपालक निदेशक ;खान श्री आलोक वर्मा और कार्यपालक निदेशक ;वित्त एवं लेखा श्री ए के बेहुरिया मौजूद थे. निदेशक प्रभारी ने विभिन्न विभागों में कर्मीसमूह से बातचीत के दौरान टीमों को गुलदस्ते और मिठाइयाँ भेंट कीं। विभिन्न विभागों में आरएसपी कर्मीसमूह से बात करते हुएए श्री भौमिक ने कहा आरएसपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में विभिन्न क्षेत्रों में नए मानक स्थापित किए हैं। मौजूदा वर्ष में हमें उन क्षेत्रों में और अधिक मेहनत करने की जरूरत हैए जहाँ हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करने से चूक रहे हैं। वित्त वर्ष 24.25 के लिए एबीपी लक्ष्यों को रेखांकित करते हुएए श्री सूर्यवंशी ने आरएसपी कर्मीसमूह को सकारात्मक इरादे के साथ लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने वित्त वर्ष 2023.24 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ निष्पादन दर्ज करने में प्रत्येक विभाग के योगदान पर भी प्रकाश डाला। निदेशक प्रभारी और कार्यपालक निदेशक 10 विभागों में गएए जहाँ उन्होंने विभागीय कर्मीसमूह के साथ.साथ संबंधित विभागों के कर्मचारियों से मुलाकात की।

ओडिशा में इन सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, वोट देने के लिए मिलेगी छुट्टी

भुवनेश्वर ०८/०४ (संवाददाता): राज्य में चल रहे लोकसभा और विधानसभा चुनावों में लगे सरकारी कर्मचारियों को एक दिन का विशेष अस्थायी अवकाश मिलेगा। इसके अलावा अपने मु यालय से दूर स्थानों पर मतदान करने जा रहे सरकारी कर्मचारियों को दो दिन का विशेष अस्थायी अवकाश मिलेगा। राज्य के मु य सचिव प्रदीप कुमार जेना ने इस संबंध में सभी सचिवों और विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखा है।

जानकारी के मुताबिक आम चुनाव कार्य में लगे सरकारी कर्मचारियों को ड्यूटी के बाद एक दिन का विशेष अस्थायी अवकाश दिया जाएगा। उन्हें यह अस्थायी छुट्टी हर कैलेंडर वर्ष में मिलने वाली आकस्मिक छुट्टी और विशेष सीएल के अलावा मिलेगी।

इसी तरह मतदान करने के लिए दूर स्थानों पर जाने वाले सरकारी कर्मचारियों को अधिकतम दो दिन का विशेष अस्थायी अवकाश मिलेगा। राज्य में चार चरणों में 13ए 20ए 25 मई और एक जून को मतदान होगा। मतदान के दिन निर्वाचन क्षेत्र में सरकारी अवकाश घोषित किया गया है।

हालांकिए जिन सरकारी कर्मचारियों को वोट डालने के लिए अपने कार्यस्थलों से दूर जाना पड़ता हैए उन्हें जरूरत पड़ने पर दो दिनों ;पूर्व और मतदान के एक दिन बादद्ध के लिए अस्थायी विशेष अवकाश मिलेगा। दो दिन की छुट्टी आकस्मिक अवकाश और विशेष सीएल को प्रभावित नहीं करेगी जो उन्हें अपने प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में मिलती है।

पाबंदी के बावजूद सुंदरगढ़ जिले में धड़ल्ले से चल रहे ईंट भट्ठे

राउरकेला ०८/०४ (संवाददाता): राज्य सरकार की ओर से वायु प्रदूषण और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए मिट्टी से बनने वाली लाल ईंट पर प्रतिबंध लगा दिया है। सुंदरगढ़ के जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन यह सिर्फ कागजों पर सीमित रह गया है। प्रदूषण नियंत्रण विभागए स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और ईंट भट्ठा मालिकों के बीच सांठगांठ में सब कुछ धड़ल्ले से चल रहा है। कार्रवाई करने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन भट्टों में अवैध कोयला भी खपाया जा रहा है। सुंदरगढ़ जिले के पानपोष अनुमंडल के लाठीकटाए नुआगांवए बिसराए कुआरमुंडाए लहुणीपाड़ा ब्लाक क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। इसका मु य कारण उद्योगों के साथ साथ ईट भट्ठा भी हैं। बिसराए लाठीकाटाए नुआगांव और कआरमुंडा सहित अन्य ब्लॉकों में 30 से अधिक मिट्टी के ईंट भट्ठे चलाए जा रहे हैं। मिट्टी की ईंट बनने से मिट्टी का कटाव भी तेजी से हो रहा है। ईंट भट्ठा मालिक निर्मित ईंट ट्रकए ट्रैक्टरए डंपर के द्वारा विभिन्न स्थानों पर भेज रहे हैं। सरकारी योजनाओं में इन ईंट का इस्तेमाल नहीं हो रहा है पर निजी स्तर पर चल रहे निर्माण कार्यों मे इनकी मांग अधिक है। ईंट शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में खुलेआम बेची जा रही है पर न तो पुलिस और ना ही तहसील विभाग की ओर से कार्रवाई हो रही है। प्रति ईंट सात से आठ रुपये तक में बिक रही है। लाइ ऐश ईंट जहां 10 से 12 हजार रुपये प्रति ढाई हजार हैं। वहीं लाल मिट्टी ईंट 18 से 20 हजार रुपये में बिक रही है। जिले में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन की ओर से तीन साल पहले कदम उठाए गए थे। 60 से अधिक ईंट भट्टों की पहचान की गई थी। विभाग द्वारा सभी भट्टों को सील भी किया गया था। तब ईंट भट्टा मालिकों ने कोर्ट की शरण ली थी। कुछ महीने तक ईंट भट्टे बंद रहे। इसके बाद ये फिर धड़ल्ले से चल रहे हैं। इन भट्टों में ईंट पकाने के लिए कोयले का इस्तेमाल हो रहा है। वैध तरीके से कोयले की आपूर्ति संभव होने से भट्ठा मालिक अवैध तरीके से कोयला बड़े व छोटे वाहनों से मंगवा रहे हैं।

भाजपा को लगा झटका ! सुशांत मिश्र ने पार्टी को कहा बाय.बाय

संबलपुर ०८/०४ (संवाददाता): बरगढ़ जिला की राजनीति में खेला हो गया। सालों से भाजपा के साथ जुड़े जमीनीस्तर के नेता सुशांत मिश्र ने अपने पद से इस्तीफा देने समेत पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ दी।

इसके कुछ घंटे बाद बीजद की ओर से उनकी पत्नी परिणीता मिश्र को बरगढ़ लोकसभा उ मीदवार घोषित कर दिया गया। सुशांत के इस्तीफे के बाद उनकी पत्नी परिणीता को उ मीदवार बनाए जाने को लेकर तरह.तरह की चर्चा शुरू हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसारए बरगढ़ जिला के सोहेला निवासी सुशांत मिश्र वर्षों तक भाजपा के एक सक्रिय और कर्मठ कार्यकर्ता रहे और उन्हें बरगढ़ जिला भाजपा का उपाध्यक्ष भी बनाया गयाए लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेता उनकी अनदेखी करते रहे। बुधवार के दिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल को भेजे गए इस्तीफा पत्र में सुशांत ने अनदेखी का उल्लेख करते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता और जिला उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की बात कही है। भाजपा से सुशांत के इस इस्तीफे के कुछ ही घंटों बाद बीजद की ओर से उनकी पत्नी को लोकसभा उ मीदवार घोषित कर दिया गया।

गौरतलब है कि बरगढ़ लोकसभा चुनाव के लिए इस बार भाजपा के प्रदीप पुरोहितए कांग्रेस के संजय भोई और बीजद की परिणीता मिश्र मैदान में हैं। प्रदीप पुरोहित भाजपा के टिकट पर वर्ष 2014 के चुनाव में पदमपुर विधायक रह चुके हैंए जबकि संजय भोई कांग्रेस के टिकट पर वर्ष 2009 में चुनाव जीतकर बरगढ़ लोकसभा के पहले सांसद रह चुके हैं।

स्मार्ट सिटी के 390 आंगनबाड़ी केंद्र में से 335 का अपना भवन नहीं

राउरकेला ०८/०४ (संवाददाता): शून्य से छह साल तक के बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभालए टीकाकरण एवं पौष्टिक आहार देने में आंगनबाड़ी केंद्र व आंगनबाड़ी कर्मियों का अहम योगदान है। समन्वित बाल विकास परियोजना के अधीन इसका संचालन हो रहा है। राउरकेला स्मार्ट सिटी को पानपोषए उदितनगर तथा स्टील टाउनशिप तीन भाग में बांट कर तीन सीडीपीओ कार्यालय के अधीन इन्हें रखा गया है। शहर के 390 आंगनबाड़ी केंद्रों में 335 का अपना घर नहीं है जिस कारण ये भाड़े के पुराने घरों में ही चल रहे हैं। पानपोष सीडीपीओ के अधीन 115ए उदितनगर सीडीपीओ के अधीन 160 एवं स्टील टाउनशिप सीडीपीओ के अधीन 115 केंद्रों का संचालन हो रहा है। इनमें 5850 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। शहर में अपनी जमीन नहीं होने के कारण भवन निर्माण बाधक बना है।

आरएसपी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नेतृत्व पुरस्कार और शिफ्ट प्रभारी पुरस्कार प्रदान

राउरकेला ०८/०४ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र ;आरएसपी के गोपबंधु सभागार में विगत दिनों आयोजित वार्षिक निष्पादन समीक्षा और पुरस्कार समारोह मेंए आरएसपी के निदेशक प्रभारी डीआईसी सह बोकारो स्टील प्लांट के अतिरिक्त प्रभारए श्री अतनु भौमिक ने अधिकारियों को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व पुरस्कार और शि ट प्रभारी पुरस्कार प्रदान किया. उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदर्शन पुरस्कार, महाप्रबंधक प्रभारी ;आरएसई और एचएमई श्री एस के पोलाकी को उनके विशिष्ट नेतृत्व, समर्पण, नवाचार और अखंडता के मान्यता स्वरुप प्रदान किया गया। पुरस्कार में 10000 रुपये की नकद राशि एक ट्रॉफी और प्रशस्ति प्रमाण पत्र शामिल थी। 12 अधिकारियों और 11 कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय नेतृत्व और उत्पादन, रखरखाव, सेवाओं, लागत, गुणवत्ता, औद्योगिक संबंधों और सुरक्षा में सुधार लाने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए शि ट प्रभारी पुरस्कार प्राप्त हुआ। कर्मचारियों के वर्ग में पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं मेंए ऑपरेटर ;मोबाइल उपकरणद्धए कोक ओवनए श्री एस सी पंडाए मास्टर ऑपरेटिवध् मास्टर तकनीशियन आरएम

एचपी श्री श्रीकांत कुमार नायकए मास्टर ऑपरेटिव मास्टर तकनीशियनए हॉट स्ट्रिप मिल.2, श्री राजेश कुमार पंडाए मास्टर ऑपरेटिव मास्टर तकनीशियन ;प्लेट मिल श्री बंधना ओराम, मास्टर ऑपरेटिव मास्टर तकनीशियन ;पाइप प्लांट श्री बादल कुमार करए मास्टर तकनीशियन ;क्रेन रखरखाव श्री सिबाराम पुहानए मास्टर तकनीशियन ;सीपीपी-1 पीबीएस श्री हृदयानंद लेंकाए मास्टर तकनीशियन ;इंस्ट्रुमेंटेशन श्री बिघ्नेश्वर कबीए मास्टर तकनीशियन ;ऊर्जा प्रबंधन श्री ज्योतिर्मय आचार्यए इंजीनियरिंग सहायक ;टाउन इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल श्री रमेश नायक और ऑपरेटर. सह तकनीशियन ;बीआइएमए बरसुआद्धए श्री प्रेम कुमार शामिल थे. पुरस्कार प्राप्त करने वाले अधिकारियों में उप प्रबंधक ; सिंटरिंग प्लांट.1द्धए श्री आनंद नायक, प्रबंधक ;आरएमएचपी श्री गौरी प्रसाद पृष्टिए सहायक महाप्रबंधक ;ब्लास्ट फर्नेस श्री रश्मिकांत नायकए वरिष्ठ प्रबंधक ;स्टील मेल्टिंग शॉप-२ श्री बटाकृष्णा सामंतए सहायक महाप्रबंधक ;हॉट स्ट्रिप मिल.2 श्री आनंद कुमार मिस्त्रीए उप प्रबंधक ;आरसीएम श्री कुशल चंद्र माझीए उप प्रबंधक ;शॉप्स दृ स्ट्रक्चरल एवं फेब्रिकेशन श्री संजीब कुमार पॉलए वरिष्ठ प्रबंधक ;यातायात एवं कच्चे माल श्री देबाशीष बिस्वाल, प्रबंधक ;ऑक्सीजन प्लांट श्री शुभंकर पी सिंह,प्रबंधक ;नगर सेवाद्धए श्री सुहित विश्वास सरोदे, वरिष्ठ प्रबंधक ;परियोजनाएँ श्री आलोक पटेल और प्रबंधक ;बीओएमए बोलानीद्धए श्री चंदन कुमार सिंह थे. प्रत्येक शि ट प्रभारी को 7500 रुपये का नकद पुरस्कार के साथ प्रशस्ति प्रमाण पत्र दिया गया। विशेषत: संयंत्र के उत्पादनए उत्पादकता को बढ़ाने और तकनीकी आर्थिक मापदंडों में सुधार करने के अभियान का लगातार नेतृत्व कर रहे इन शि ट प्रभारियों ने आरएसपी को सेल के सभी संयंत्रों के बीच सबसे अच्छा निष्पादन करने वाली इकाइयों में से एक बनाने में बहुत योगदान दिया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: एसटी-सीसीसी-ओटी-12-2024, दिनांक 08.04.2024 ... ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं ... तारीख 29.04.2024 ... निविदा मूल्य: रु. 1,05,21,557.70, बयाना राशि: रु. 2,02,600; ... http://www.ireps.gov.in ... (PR-18)

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
kalinga pg-6 for 9 APR.pmd 4/9/2024 2:21 PM